RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 36 ● भिलाई, गुरुवार 07 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में बैडमिंटन कोच पर जानलेवा हमला, हफ्ता वसूली देने से किया था इनकार

मुंबई । मुंबई में एक बैडमिंटन कोच पर हमले का मामला सामने आया है। मुंबई के चेंबूर इलाके में बैडमिंटन कोच पर तीन युवकों ने जानलेवा हमला किया। कथित तौर पर यह हमला इसलिए किया गया, क्योंकि कोच ने हर हफ्ते 1000 रुपए की हफ्ता वसूली देने से इनकार कर दिया था। घायल कोच की पहचान प्रफुल्ल घाटविसावे के रूप में हुई है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह चौंकाने वाली घटना प्रबुद्धनगर इलाके में बाबासाहेब अंबेडकर एसआरए बिल्डिंग के पास घटी। कोच प्रफुल्ल घाटविसावे अपने घर के पास एक दोस्त से फोन पर बात कर रहे थे, तभी तीन युवकों ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार की रात हुई थी। आरोपियों ने खुद को सनी गैंग से बताया और कोच घाटविसावे से उनके दोस्त की बहन के मकान किराए में से हर हफ्ते 1000 रुपए देने की मांग की। जब उन्होंने भुगतान करने से इनकार किया, तो आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत बढ़ाएगा ब्रह्मोस मिसाइलों का उत्पादन

नईदिल्ली। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों की सफलता को देखते हुए इन सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की बड़ी संख्या में उत्पादन का निर्णय लिया है। यह मिसाइल भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है और इसका इस्तेमाल मई में हुए 4 दिवसीय संघर्ष में पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए किया गया था। अब रक्षा मंत्रालय जल्द ही इस ऑर्डर को मंजूरी दे सकता है। इस फैसले के तहत भारतीय नौसेना के वीर श्रेणी के युद्धपोतों को समुद्री वैरिएंट से और भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों को हवाई संस्करण से लैस किया जाएगा। इससे भारत की समुद्री और हवाई ताकत काफी मजबूत होगी। ब्रह्मोस की विशेषताएं जैसे तेज गति, सटीक लक्ष्यभेदन और दागो और भूल जाओ क्षमता इसे दुश्मन के लिए रोकना मुश्किल बनाती हैं।

जम्मू-कश्मीर का राज्य दर्जा बहाली पर सुप्रीम कोर्ट 8 अगस्त को करेगा सुनवाई

नईदिल्ली। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग तेज हो गई है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार 8 अगस्त को सुनवाई करेगा। लाइव लॉ के मुताबिक, याचिका में केंद्र सरकार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के निर्देश देने की मांग की गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई के समक्ष मामले का उल्लेख कर कहा कि इसे 8 अगस्त के लिए सूचीबद्ध दिखाया गया है। शंकरनारायणन ने सीजेआई से अनुरोध किया कि मामले को उस दिन की सूची से न हटाया जाए, जिसे स्वीकार कर लिया गया। मामला ऐसे समय आया है।

पीएम मोदी ने कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन किया

सरकारी मंत्रालयों विभागों को मिला नया ठिकाना-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दस नए कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरियट भवनों में से पहले, कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन किया। इस नए पावर कॉम्प्लेक्स में केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग स्थित होंगे, जो वर्तमान में दिल्ली भर में स्थित हैं। कर्तव्य भवन को दिल्ली भर में फैले विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर दक्षता, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सबसे पहले उद्घाटन किए जाने वाले कर्तव्य भवन-3 में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय होंगे। नॉर्थ और साउथ ब्लॉक स्थित मंत्रालयों को कर्तव्य भवन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जिससे रेज़िन हिल स्थित दोनों ब्लॉकों को एक संग्रहालय में बदलने का रास्ता साफ हो जाएगा, जहाँ भारतीय पौराणिक और आधुनिक इतिहास को प्रदर्शित किया जाएगा। कई प्रमुख केंद्रीय मंत्रालय वर्तमान में शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से संचालित होते हैं, जिनका निर्माण 1950 और 1970 के दशक के बीच हुआ था। सरकार के अनुसार, इन इमारतों को अब संरचनात्मक रूप से पुराना और अक्षम माना जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए, केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (एचयूए) ने सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत

कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट (सीसीएस) के अंतर्गत दस भवनों के निर्माण की योजना शुरू की है। इनमें से भवन 2 और 3 निर्माणाधीन हैं और अगले महीने तक पूरा होने की उम्मीद है। सीसीएस भवन 10 का काम अगले साल अप्रैल तक पूरा होने वाला है, जबकि भवन 6 और 7 का निर्माण अक्टूबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने घोषणा की कि वर्तमान में शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन में कार्यरत कार्यालयों को निर्माण चरण के दौरान दो वर्षों की अवधि के लिए अस्थायी रूप से चार नए स्थानों, कस्तूरबा गांधी मार्ग, मिंटो रोड और नेताजी पैलेस में स्थानांतरित किया जाएगा। लगभग 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस अत्याधुनिक कार्यालय परिसर में दो बेसमेंट और सात मंजिलें (भूतल+6 मंजिल) हैं। वर्तमान में, कई प्रमुख मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच निर्मित शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से काम करते हैं। जो 1950-70 के दशक में बनाई गई थीं। भवन में सुरक्षित और आईटी-सक्षम कार्यस्थल, स्मार्ट एंट्री सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और कमांड सेंटर, सोलर पैनल, सौर वॉटर हीटर और ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाएं हैं। यह पर्यावरण के अनुकूल निर्माण को भी बढ़ावा देता है, जिसमें अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं।

7 साल बाद 31 अगस्त को चीन जाएंगे पीएम मोदी, एससीओ की बैठक में होंगे शामिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक तियानजिन शहर में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा करेंगे। 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद यह उनकी पहली चीन यात्रा होगी। उन्होंने पिछली बार 2019 में चीन का दौरा किया था।एससीओ सदस्य देशों के साथ चर्चा में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। भारत-चीन संबंधों में स्थिरता और संवाद बहाल करने के प्रयास किए जाएँगे। शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक मुलाकात की संभावना है।

दिल्ली विधानसभा में फांसी घर विवाद

मुख्यमंत्री ने आप के दावे की जांच की मांग की.....

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा परिसर में फांसी घर के अस्तित्व पर आप के दावों की जांच का आदेश दिया जाना चाहिए और इसके जीर्णोद्धार पर खर्च किए गए एक-एक पैसे की वसूली की जानी चाहिए। विधानसभाध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा है कि 2022 में जिस कक्ष का जीर्णोद्धार किया गया और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उद्घाटन किया, वह वास्तव में एक ''टिफिन रूम'' था, न कि औपनिवेशिक काल का फांसी स्थल। विधानसभा में इस मामले पर चर्चा के दौरान रेखा

गुप्ता ने कहा कि तथाकथित 'फांसी घर' की सजावट पर एक करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं और यह राशि वसूल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''इस मामले की जांच होनी चाहिए। फांसी घर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा फैलाया गया।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में बादल फटने से आई बाढ़ में मकान और अन्य संरचनाएं बह गईं।

एसआईआर मामले

भाजपा-नीत केंद्र सरकार के दिमाग की है उपज.....

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से भाजपा-नीत केंद्र सरकार के दिमाग की उपज है। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के बाढ़ प्रभावित घाटल के दौरे पर आईं बनर्जी ने यह भी कहा कि बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी बताकर पड़ोसी देश भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''यह योजना केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई है, जिसमें निर्वाचन आयोग को भी शामिल किया गया है। हम इससे

सहमत नहीं हैं।'' उन्होंने तर्क दिया कि इस प्रक्रिया के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण-पत्र सुरक्षित रखना सभी के लिए संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगी।

खरगे बोले-सरकार इच्छुक नहीं

बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण पर संसद में चर्चा चाहता है विपक्ष..

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्षी दलों की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर राज्यसभा में चर्चा की माँग दोहराई है। बुधवार को उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह को पत्र लिखकर खड़गे ने कहा कि यह मुद्दा करोड़ों मतदाताओं, खासकर समाज के कमज़ोर वर्गों के मतदाताओं के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे उच्च सदन के सभापति के पिछले फैसलों ने सदन को एक प्रतिबंध के साथ, दुनिया की हर चीज़ पर चर्चा करने

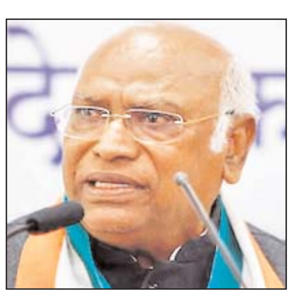

की अनुमति दी है। उपसभापति को लिखे अपने पत्र के कुछ अंश साझा करते हुए, खड़गे ने लिखा, निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा सबसे पहले बिहार में की जा रही है और फिर इसे पश्चिम बंगाल, असम और अन्य राज्यों में भी किया जाएगा। विपक्षी सांसद मौजूदा सत्र के पहले दिन से ही सदन में इस पर तत्काल चर्चा की माँग कर रहे हैं। अपने पत्र में उन्होंने आगे कहा कि इसलिए, मैं अपनी ओर से और राज्यसभा में विपक्षी दलों की ओर से, आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस मुद्दे पर तुरंत चर्चा की अनुमति दें, जो करोड़ों मतदाताओं, विशेषकर समाज के कमज़ोर वर्गों के मतदाताओं के लिए अत्यंत चिंता का विषय है। उपसभापति से उच्च सदन के सभापति के पिछले फैसलों को बरकरार रखने का आग्रह करते हुए, खड़गे ने लिखा कि 21 जुलाई, 2023 को, राज्यसभा के तत्कालीन सभापति ने एक फैसला दिया था।

879 ग्राम स्मैक के साथ नशे का सौदागर अनीश खान गिरफ्तार

फलोदी। पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह चारणएवं सीओ अचलसिंह के सुपरविजन में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ विरोधी विशेष अभियान के तहत फलोदी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिला विशेष टीम फलोदी और थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 879 ग्राम अवैध स्मैक बरामद कर एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनीश खान पुत्र बशीर खां मुसलमान निवासी जोड़, पुलिस थाना फलोदी के रूप में हुई है। अगस्त को ष्ठस्ञ्ज फलोदी को मुखबिर से सूचना मिली कि अनीश खान लंबे समय से स्मैक की तस्करी कर रहा है।

अदाणी समूह के चलते

पीएम मोदी....ट्रंप के सामने नहीं टिक सकते..सांसद राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला और कहा कि अदाणी समूह के खिलाफअमेरिका में चल रही जांच के कारण पीएम मोदी, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने टिक नहीं हो सकते। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस जांच से वित्तीय संबंधों का कथित खुलासा होने का खतरा है। एक्स पर साझा एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, 'भारत, कृपया समझें: राष्ट्रपति ट्रंप की बार-बार की धमकियों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी उनके सामने टिक नहीं पा रहे हैं, क्योंकि अदाणी मामले में

अमेरिका की जांच चल रही है। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा कि, 'एक खतरा मोदी, एए और रूसी तेल सौदों के बीच के वित्तीय संबंधों का खुलासा होने का भी है। मोदी के हाथ बंधे हुए हैं।' टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीदने के लिए अमेरिका भारत पर काफी बढ़ा हुआ टैरिफ लगाएगा। उन्होंने दावा किया कि रूस से खरीदे गए तेल का हिस्सा खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेचा जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा पोस्ट में लिखा, 'भारत न केवल भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है। बल्कि खरीदे गए तेल का एक बड़ा हिस्सा खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेच रहा है। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं है कि रूस द्वारा यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इस वजह से, मैं भारत पर लगने वाले टैरिफ में भारी वृद्धि करूंगा।

राहत बचाव कार्यों में जुटे 225 से अधिक जवान..

उत्तरकाशी में जलप्रलय-मलबे के बीच जिंदगी की तलाश

उत्तराखंड/ एजेंसी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में जारी भारी बारिश के बीच बुधवार सुबह धराली में आपदा पीड़ितों की तलाश के लिए बचाव एवं राहत कार्य फिर शुरू किया गया। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। मंगलवार दोपहर बाद बादल फटने से खीरगंगा नदी में आयी भीषण बाढ़ में करीब आधा गांव तबाह हो गया था। धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किलोमीटर पहले पड़ता है और यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, विनाशकारी बाढ़ में चार लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि विभिन्न एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे बचाव अभियान में 130 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाढ़ में 50 से अधिक लोग लापता हो सकते हैं क्योंकि पानी के अचानक आने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का मौका ही नहीं मिला।हांलांकि, घटनास्थल पर जमा मलबे से अभी तक कोई शव बरामद नहीं हुआ है। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि लापता लोगों में 11 सैनिक भी शामिल हैं। 14 राज रिफ के कमांडिंग अधिकारी कर्नल हर्षवर्धन 150 सैनिकों की अपनी टीम के साथ मौके पर राहत और बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीवास्तव ने कहा कि सैनिकों के लापता होने और बेस के प्रभावित होने के बावजूद टीम पूरे साहस और दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है। फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए भारतीय सेना ने

एमआई-17 और चिनूक हेलीकॉप्टरों को तैनात किया है। मुख्यमंत्री धामी बुधवार को स्वयं धराली बाजार, हर्षिल तथा आसपास के क्षेत्रों में आपदा से हुई क्षति का निरीक्षण करेंगे। अधिकारियों ने यहां बताया कि आपदा में हुए जानमाल के भारी नुकसान को देखते हुए राहत एवं बचाव कार्यों तथा क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की तत्काल मरम्मत के लिए राज्य आपदा मोचन निधि से 20 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गयी है। प्रदेश की स्वास्थ्य महानिदेशक सुनीता टम्टा ने पांच विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम को तत्काल उत्तरकाशी पहुंचने के निर्देश दिए हैं। ताकि प्रभावितों को समय से उचित इलाज उपलब्ध कराया जा सके। इन डॉक्टरों में एक जनरल शल्यचिकित्सक और दो हड्डीरोग शल्यचिकित्सक शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बातचीत कर धराली में आयी प्राकृतिक आपदा तथा वहां चल रहे बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी ली। धामी ने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार पूरी तत्परता से बचाव एवं राहत कार्यों में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि लगातार भारी बारिश के कारण कुछ क्षेत्रों में कठिनाइयां आ रही हैं लेकिन सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ काम कर रही हैं ताकि प्रभावितों को तुरंत सहायता मिल सके। प्रधानमंत्री ने उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है।

190 लोगों को बचाया गया, धामी बोले-केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कर रही काम

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि धराली इलाके में बादल फटने से आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद लगभग 190 लोगों को बचा लिया गया है। एएनआई से बात करते हुए, मुख्यमंत्री धामी ने दोहराया कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही घटना के पीड़ितों के लिए व्यवस्था करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि आपदा ने पूरे धराली को प्रभावित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा ने पूरे धराली को पूरी तरह प्रभावित किया है और कल की घटना के बाद कई चरणों में मलबा वहाँ आया है। मैं आज वहाँ गया और लोगों से मिला, उनसे बात की और घटना की जानकारी ली। आपदा ने सब कुछ तबाह कर दिया।

CMYK

उपमुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने समीक्षा बैठक लेकर जिले में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा

बालोद। जिला प्रशासन बहुत अच्छे ढंग से शासन की योजनाओं को नवीनता के साथ नए अभियानों के साथ नवाचार के साथ लागू कर रहा है। पूरे जिले में ऐसे बच्चों को चिन्हांकित किया गया है, जिन पर कुपोषण का प्रभाव है, उन सारे बच्चों के लिए अब एक योजना कर के उन्हें गोद लेकर कुपोषण को दूर करने की कोशिश कर रहे है। सरकार की जो योजनाएं संचालित है, इसके अलावा बालोद जिला प्रशासन ने अपने ओर से एक नई योजनाएं बनाई है, एक अभियान चलाया जा रहा है। जो काबिले तारीफ है। उक्त बातें बालोद जिले के प्रवास के दौरान उपमुख्यमंत्री एवं बालोद जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने कही। विजय शर्मा ने कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में सभी विभागों की समीक्षा बैठक ली एवं एजेंडावार समीक्षा की। बैठक में उन्होंने पीएचई, सिंचाई, पुलिस प्रशासन, पीडब्ल्यूडी, के कामों की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि कई ऐसे भी विभाग हैं, जो आज भी बालोद जिला बनने के बाद दुर्ग में संचालित हो रहे हैं। ऐसा विभागों का प्रारूप बनाकर आगे भेजा जाएगा। उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार सयुंक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर जिले में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समयावधि में शासकीय योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विजय शर्मा ने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए बालोद जिले को प्रत्येक दृष्टि से उत्कृष्ट, अग्रणी एवं आदर्श जिला बनाने में अपनी अमूल्य सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा। विजय शर्मा ने कहा कि प्रत्येक शासकीय सेवक को शासकीय सेवा में चयनित होने के बाद जनसेवा करने का भी पुनीत अवसर प्राप्त होता है, इसलिए हम सभी शासन-प्रशासन से जुड़े लोगों को कड़ी मेहनत एवं लगन से आम जनता के हित में निरंतर कार्य करने का प्रयास करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गन्ना की खेती एवं उसके उपयोग को किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार तथा उनके जीवन स्तर में बदलाव का प्रमुख माध्यम बताते हुए इस बार गन्ने फसल की बुवाई को वृद्धि कर तीन हजार हेक्टेयर तक अनिवार्य रूप से इसके लिए शक्कर कारखाना करकाभाट के प्रबंध निदेशक एवं

कृषि विभाग के उपसंचालक को जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने इसके लिए क्षेत्र के किसानों से बातचीत कर गन्ना उत्पादन के लिए प्रेरित करने के भी निर्देश दिए।

जिले में लगाएं जुआ सट्टा पर रोक

बैठक में विजय शर्मा ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए जिले में कुपोषण दूर करने हेतु किए जा रहे उपायों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कुपोषित बच्चों को गोद लेकर कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने के लिए इन बच्चो के लिए पौष्टिक भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु गोद लेने वाले व्यक्तियों से सहयोग राशि एकत्र करने का भी सुझाव दिया। इस कार्य में उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों एवं अन्य लोगों से मदद लेने के भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने जिले में जुआ, सट्टा पर रोक लगाने तथा शराब, गांजा एवं अन्य मादक पदार्थो के अवैध बिक्री की रोकथाम हेतु की जा रही उपायों की भी समीक्षा की। उन्होंने पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल को इसके लिए पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने तथा मादक पदार्थो के अवैध बिक्री पर रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु दवा विक्रताओं एवं कुरियर संचालकों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। इनके द्वारा मादक पदार्थो की बिक्री करते पाए जाने पर उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने नशापान के अलावा मादक पदार्थो के अवैध बिक्री पर रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु नियमित रूप से जनजागरूकता अभियान चलाने को कहा।

लंबित राजस्व प्रकरणों को शीघ्र पूरा करें : विजय शर्मा

बैठक में विजय शर्मा ने कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के कुशल नेतृत्व में जिले में शासकीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु किए जा रहे बेहतर कार्यो की भी भूरी-भूरी सराहना की। बैठक में संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र के विधायक संगीता सिन्हा, गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल, वनमण्डलाधिकारी अभिषेक अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा एवं नूतन कंवर सहित एडीशनल एसपी मोनिका ठाकुर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा सभी विभाग प्रमुखगण एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में सभी विभाग प्रमुखों के द्वारा पावर प्वाईट प्रजेंटेशन के माध्यम से अपने-अपने विभागों के कार्यो की प्रगति एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति के संबंध में बारी-बारी से जानकारी दी गई। विजय शर्मा ने जिले में राजस्व प्रकरणों की निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए समय-सीमा में राजस्व प्रकरणों की निराकरण हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी लंबित राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने हेतु कार्ययोजना बनाकर इस कार्य को विशेष

जेजेएम के अपूर्ण कार्यो को शीघ्र पूरा करने के निर्देश

प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के कार्यों की समीक्षा करते हुए सेना भर्ती एवं अग्निवीर भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु की गई व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए इस योजना के अंतर्गत अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूरा कराने तथा जल जीवन मिशन के कार्य को करते वक्त क्षतिग्रस्त हुए सीसी रोड आदि का शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए। बैठक में विजय शर्मा ने शिक्षा, क्रेडा, जल संसाधन, परिवहन, आदिवासी विकास, खाद्य, वन आदि अन्य सभी विभागों के कार्यों की बारी-बारी से समीक्षा की। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तायुक्त ढंग से शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिससे कि आम जनता को इसका समुचित लाभ मिल सके। बैठक में अधिकारियों के द्वारा पिछले बैठक में प्रभारी मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों पर की गई कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले में जल जतन अभियान के अंतर्गत किए गए उल्लेखनीय कार्यो के अलावा सघन वृक्षारोपण अभियान, कुपोषण की रोकथाम हेतु किए जा रहे कार्य, अग्निवीर भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले युवकों को भूतपूर्व सैनिकों एवं अन्य विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु की जा रही उपायों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान विधायक संजारी बालोद संगीता सिन्हा एवं विधायक गुंडरदेही कुंवर सिंह निषाद ने आवश्यक सुझाव दिए। बैठक में कलेक्टर पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों के द्वारा स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया गया।

वृक्ष जीवन का आधार है: डॉ डीबी तिवारी

साई कॉलेज में किया गया पौधारोपण

उतई। 'साई कॉलेज' में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. डीबी तिवारी, डायरेक्टर ममता सिंह, वरिष्ठ स्वयंसेवक, एनएसएस स्वयंसेवक तथा अनेक अध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पौधारोपण से हुई, जिसमें कॉलेज परिसर में 10 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. डी. बी. तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वृक्ष जीवन का आधार हैं। ये हमें स्वच्छ वायु, छाया एवं पर्यावरण की शुद्धता प्रदान करते हैं। वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। डायरेक्टर ममता सिंह ने भी छात्रों को संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक आदकी को जीवन में कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अध्यापकगण ने भी अपने विचार साझा किए तथा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वर्षा मैडम के सहयोग से संपन्न हुआ। अंत में सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साह एवं सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम का शुभारंभ

दल्लीराजहरा। नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा में छत्तीसगढ़ शासन, संस्कृति विभाग, नवा रायपुर अटल नगर के दिशा निर्देश अनुसार नपाध्यक्ष तोरण लाल साहू के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र वार्डेकर के आदेशानुसार दिनांक 2 से 15 अगस्त 2025 तक चलने वाले अभियान में तिरंगा रैली का आयोजन का शुभारंभ किया गया।

इस अभियान के अंतर्गत 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 2 से 15 अगस्त तक तीन चरणों में (प्रथम चरण दिनांक 02 से 08 अगस्त तक, द्वितीय चरण दिनांक 09 से 12 अगस्त तक, तृतीय चरण दिनांक 13 से 15 अगस्त तक) किया जाना है जो की हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता : स्वतंत्रता का उत्सव ,स्वच्छता के संग के थीम पर आधारित होगा। इस अभियान के अंतर्गत समस्त भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित रैली में स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल चंद्राकर, निकाय के अधिकारी व कर्मचारी, पीआईयू विक्रांत कुमार साहू एवं समस्त स्वच्छता दीदियों के साथ बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जिपंसीईओ की अगुवाई में रामपुर में रोपे 200 पौधे

जनपद उपाध्यक्ष व सरपंच की पहल से लगे ट्री गार्ड

डोंगरगांव नगर। विधानसभा क्षेत्र के रामपुर में एक पेड़ माँ के नाम के तहत श्रावण मास के सोमवार को वृहद पौधारोपण किया गया। 2 दिनों तक किये गए वृहद पौधारोपण अंर्तगत लगभग 200 फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मनीष साहू एवं सरपंच यतीश सिन्हा के पहल से पौधों को सरंक्षण प्रदान करने ट्री गार्ड भी लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने पहुंची जिला पंचायत सीईओ के अगुवाई में जनप्रतिनिधियों ने पौधारोपण किया। उक्त अवसर पर पूर्व जिपंअध्यक्ष दिनेश गांधी, जनपद पंचायत अध्यक्ष रंजीता पड़ौती, जनपद उपाध्यक्ष मनीष साहू, सरपंच यतीश सिन्हा, उपसरपंच भरत साहू सहित स्थानीय ग्रामीण जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

हत्या की नियत से वाहन चढ़ाने का आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। 24 जून को प्रार्थी विकास तिवारी पिता रामाश्रय शर्मा उम्र 32 वर्ष, ग्राम मटका थाना व जिला बेमेतरा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि ग्राम मटका में तिवारी धर्मकांटा एवं ट्रेडर्स का संचालक है। दिनांक 11.06.2025 को सुबह लगभग 09:25 बजे जब वह अपने धर्मकांटा में उपस्थित था, उसी समय उसके पिताजी रामाश्रय शर्मा बोर चालू करने पीछे गए थे। अचानक झगड़े की आवाज सुनकर जब वह मौके पर पहुंचा, तो देखा कि पड़ोसी सुरेन्द्र जाट उसके पिताजी के साथ विवाद कर रहा था। बीच-बचाव करने के पश्चात जब वह अपने पिताजी को लेकर धर्मकांटा के पीछे आया, तभी सुरेन्द्र कुमार जाट ने हत्या की नीयत से अपनी कार क्रमांक छ्त्त 04 स्क्क5551 को चलाते हुए इसके उपर के ऊपर वाहन चढ़ा दिया, जिससे वह गिर गया। इसके बाद सुरेन्द्र कुमार जाट ने वाहन को रिवर्स करते हुए पुनः उसके ऊपर चढ़ाने का प्रयास किया। इस हमले में इसके उपर (विकास) को सीने, पेट, बाएं पैर की जांघ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई। घायल अवस्था में प्रार्थी को प्राथमिक उपचार हेतु जिला अस्पताल बेमेतरा ले जाया गया, जहाँ से उन्हें सेक्टर 9 अस्पताल भिलाई रिफर किया गया। वहां दिनांक 11.06.2025 से 16.06.2025 तक भर्ती रहकर इलाज कराया गया। इस रिपोर्ट पर थाना बेमेतरा में धारा 109 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह एवं एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा उप निरीक्षक मयंक मिश्रा के साथ थाना स्टाफ द्वारा विवेचना कार्य प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान आरोपी सुरेन्द्र कुमार जाट, उम्र 33 वर्ष, निवासी मटका, थाना बेमेतरा, से पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध करना स्वीकार किया।

जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने की होटलों में खाद्य पदार्थों की जांच

दल्लीराजहरा। जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा 'बने खाबो, बने रहिबो' अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्ट्रीट फूड वेन्डर्स, खाद्य परोसने वाले संस्थानों, रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम का उल्लंघन किए जाने पर कार्रवाई भी की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुकानदारों एवं आम लोगों को खाद्य सामग्रियों में अखबारी कागज एवं बासी खाद्य पदार्थ का उपयोग, पीने के पानी की जाँच, खाद्य सामग्रियों का रख-रखाव, खाद्य पदार्थ की अस्वच्छ हैडलिंग आदि इसके दुष्प्रभाव की जानकारी दी गई। इस दौरान 12 खाद्य पदार्थों का नमूना जांच के लिए भी लिया गया है।

हमारे जीवन को सार्थक और समृद्ध बनाती है गुर-शिष्य परंपरा

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय में एनएसएस इकाई एवं भारतीय शिक्षण मंडल छत्तीसगढ़ प्रांत के संयुक्त तत्वाधान में व्यास पूजा का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। महाविद्यालय के उपप्राचार्य लक्ष्मीनारायण साहू ने व्यास पूजा के महत्व एवं गुरु शिष्य परंपरा विषय पर विचारों को साझा करते हुए बताया कि यह पर्व हमें गुरुओं के प्रति आभार प्रकट करने और उनके ज्ञान को सम्मान देने का अवसर देता है। गुरु शिष्य परंपरा ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने का आधार है, जो हमारे जीवन को समृद्ध और सार्थक बनाती है। गुरु का सम्मान और उनके दिखाए मार्ग पर चलने से हम जीवन में सफलता और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही गुरु व शिष्य संबंध में आज्ञा पालन के महत्व को समझाया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने गुरु शिष्य परंपरा एवं आधुनिक समय में प्रासंगिकता पर व्याख्यान प्रस्तुत किए। बीएड के छात्राध्यापक संदीप कोसले ने व्यास पूजा के महत्व व प्राचीन काल के गुरु शिष्य परंपरा पर अपने विचार साझा किए। उनका कहना था कि गुरु का कार्य केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देना होता है बल्कि जीवन के हर मोड़ में मार्गदर्शन भी प्रदान करना होता है। छात्राध्यापक सूरज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा का विशेष महत्व रहा है। गुरु शिष्य में छिपी प्रतिभा की पहचान कराकर आगे बढ़ने की ओर प्रशस्त करते हैं। छात्र धावेन्द्र कुमार ने बताया कि प्राचीन काल में गुरु ज्ञान देकर शिष्यों में चरित्र, व्यवहार व सामाजिक गुणों का विकास करते थे। आधुनिक समय में गुरु व शिष्य के संबंधों में चुनौतियों देखने को मिल रही है। नवराज ध्रुवे ने गुरु की महिमा से परिचित कराया। रानू कुंजाम ने आदिगुरु वेदव्यास की महिमा को व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने वेदों को संग्रहीत और व्यवस्थित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनकी जयंती गुरु पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो आषाढ़ महीने की पूर्णिमा तिथि को पड़ती है। आदिगुरु वेदव्यास की शिक्षाएं और ज्ञान आज भी प्रासंगिक होकर लोगों के जीवन को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करती हैं। मंच का संचालन बीएड द्वितीय वर्ष की छात्राध्यापिका अनीता साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनएसएस व क्रीड़ा अधिकारी राजेश गजपाल तथा आईटीआई के अधीक्षक आकाश हिरवानी एवं महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक डॉ जी. डी. मानिकपुरी, रूपेंद्र डहरिया, नंदनी वर्मा, संगीता अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, प्रीति शर्मा, राजेश यादव, श्रद्धा राजपूत, अंशु दत्ता, शुभम गजभिए, तुकाराम जोशी, गायत्री राजपूत, रेशमा पटेल, कमलेश साहू, होरीलाल देवांगन व धर्मपाल नोन्हारे सहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बाबा दरबार धनोरा मे डांक कांवड़ यात्रा का हुआ आयोजन

उतई। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा (दुर्ग) में सावन महिना के आखिरी सोमवार को डाक कांवड़ यात्रा निकाली गई। जो कि महमरा घाट शिवनाथ नदी के किनारे भगवान शंकर के दरबार के सभी भक्तों के द्वारा किया गया। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने नदी से जल लेकर दौड़ना शुरू किया। फिर एक दुसरे डांक कांवड़ यात्रा को लेकर दौड़ते रहे। जो गंजपारा, कचहरी चौक, केलाबाड़ी, महाराजा चौक, कसारीडीह से जेल चौक होते हुए बोरसी, धनोरा गोल्डन चौक से मेन गली होते हुए महावीर उद्यान पहुंच कर भुतभावन भोलेनाथ को जल अर्पित कर के पुजा पाठ किया गया। फिर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक विद्वान पंडित के द्वारा पुजा पाठ हवन करके महामृत्युंजय मंत्र जाप किया गया। फिर खिचड़ी प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दरबार के लक्ष्मण बाबा, विनोद साहू, गुलाब साहू, योगेश साहू, मनोज पटेल, राजू यादव, मनसुखा साहू, कामेश साहू, घनराज साहू, भोलू साहू, खिलेशवर साहू, शिवम यादव, कुंभकरण पटेल, ओमकार साहू, वासुदेव सप्रे, राजेश चन्द्राकार, भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित साहू, अमरनाथ साहू, बलराम बबलू, गज्जू रायपुरीहा, जीवराखन ठेकेदार, कल्याण देवांगन, मारियल साहू, कुंजलाल साहू, नंद पंडा, लक्की निर्मलकर, मोतीलाल साहू, गोलू साहू, संतू यादव आदि कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यह जानकारी दरबार प्रतिनिधी चंन्द्रकांत कोसरे एवं कुंजलाल साहू ने दी।

जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 29 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा। कलेक्ट्रेट के दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन आयोजित की गई। जिसमें जिले के अलग-अलग क्षेत्र के लोग अपनी-अपनी मांग, समस्याएं एवं शिकायतें लेकर आये। इस दौरान जनदर्शन में आने वाले सभी लोगों की समस्याओं का निराकरण भी किया गया। आज के जन चौपाल में कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर और समक्ष बुलाकर संबंधित आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कुछ आवेदन मौके पर ही निराकरण किए गए। आज जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 29 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व की समस्याओं का जहां त्वरित निराकरण किया। वहीं गंभीर और जांच के आवेदनों को टीएल पंजी पर दर्ज करके, इनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अफसरों को दी। इस दौरान जनदर्शन में दूरदराज के गांवों से अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे लोगों में से वार्ड नं. 15 व 17 के समस्त मोहल्ला वासी ने वार्ड नं. 17 गौरव पथ-नवीन बाजार से सिंघौरी मार्ग की नाली सफाई कराने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील नवागढ़ वार्ड नं. 13 लालबंद पारा निवासी खेलनदास कुर्रे ने अपनी पत्नी के मृत्यु उपरांत उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र हेतु संबंध में आवेदन दिया, तहसील बेमेतरा के ग्राम अमोरा निवासी रानीबाई ने आमगली को अतिक्रमण करने से बेदखल करने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील बेमेतरा के ग्राम चोरभट्ठी के समस्त ग्रामवासी ने गांव के कोटवार को हटाकर दूसरा कोटवार नियुक्ति किये जाने के संबंध मे आवेदन दिया, तहसील बेरला ग्राम मनियारी निवासी रविन्द्र भास्कर चौबे ने रोजगार सहायक एवं पंचायत द्वारा कार्यवाही में नही लिये जाने की शिकायत के संबंध में आवेदन दिया। इसके अलावा आम नागरिकों ने निराश्रित पेंशन दिलाने, बैटरी चलित ट्रायसायकल हेतु, प्रधानमंत्री आवास दिलाने, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्डा को हटाये जाने, आम रास्ता खुलवाने, वृद्धा पेंशन हेतु दिव्यांगता पेंशन दिलाये जाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए है। कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए ग्रामीणों को आश्वासन दिलाया। इस अवसर पर सी.ई.ओ जिला पंचायत प्रेमलता मंडावी, एडीएम अनिल वाजपेयी सहित विभिन्न विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

द्रोणिका और चक्रीय चक्रवात के कारण उत्तरी छत्तीसगढ़ में हो रही वर्षा

रायपुर। प्रदेश में एक द्रोणिका तथा प्रभावशाली सिस्टम बनने के कारण इस समय उत्तरी छग के बलरामपुर में भारी वर्षा हो रही है। मध्य छग तथा दक्षिण में मानसून की गतिविधियां कमजोर रहेगी। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा के अनुसार एक द्रोणिका एवं चक्रीय चक्रवात उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित होने के कारण उप्र की सीमा से लगे बलरामपुर, प्रतापुर तथा अन्य क्षेत्रों में अच्छी वर्षा हो रही है। इधर सभी नदी नाले उफान पर चल रहे हैं। मध्य दक्षिण कहे जाने वाले रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग संभाग में मानसून की गतिविधियां स्थिर रहेगी। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर अमृतसर, चंडीगढ़, शामली, शाहजहांपुर, लखनऊ, छपरा, बांकुरा, केनिंग और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पश्चिम विहार और उससे लगे उत्तर पूर्व उत्तर प्रदेश के ऊपर 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है। प्रदेश में कल दिनांक 4 अगस्त को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने और भारी वर्षा होने की संभावना है। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यत: चरम उत्तर छत्तीसगढ रहने की सम्भावना है ।

आवारा पशुओं को धरपकड़ कर गौठान भेजा जा रहा, कुत्तों के आतंक से लोग परेशान

रायपुर। राजधानी में आवारा कुत्तों के आतंक से इन दिनों लोग परेशान है। विभिन्न वार्डों में कुत्तों द्वारा हमला किये जाने से नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे है जिसके चलते नगर निगम ने अवारा पशुओं को पकड़ने के लिए अपना अभियान तेज कर दिया है। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम के सभी जोनो की टीमो द्वारा अभियान चलाकर जोन क्षेत्र के विभिन्न मुख्य मार्गो में मॉनिटरिंग करके सड़को पर आवारा पशुओ की धरपकड़ कर उन्हें गौठानो में काउकेचर वाहन से भेजे जाने की कार्यवाही प्रतिदिन निरंतर प्रगति पर है। नगर निगम द्वारा जोन 9 क्षेत्र में व्हीआईपी रोड श्रीराम मन्दिर के समीप 11 आवारा पशुओं की धरपकड़ कर फुण्डहर गौठान भेजा गया. निगम जोन 10 क्षेत्र में विभिन्न सड़क मार्गो पर अभियान के अंतर्गत अमलीडीह मार्ग में 17 आवारा पशुओं की धरपकड़ कर काऊकैचर वाहन से उन्हें गोकुल नगर गौठान भेजा गया. निगम जोन 4 क्षेत्र में वार्ड 64 में कुशालपुर मार्ग में 2 आवारा पशु, वार्ड 44 के लाखेनगर चौक मार्ग में 2 आवारा पशु, वार्ड 46 में कालीबाड़ी चौक मार्ग में 1 और महिला पुलिस थाना के समीप मार्ग में 1 आवारा पशु की धरपकड़ कर उन्हें अटारी गौठान भेजा गया। राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र के सड़क मार्गो में आवारा मवेशियों का धरपकड़ अभियान निर्देशानुसार आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

रायपुर में 1.5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया, डॉक्टर ने लगाया गंभीर आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के शंकर नगर क्षेत्र के डॉक्टर बी. बालाकृष्णा ने एक बड़े वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने मनोज चांवला, उनकी पत्नी खुशबू चांवला और अन्य पारिवारिक सदस्यों पर 1.5 करोड़ रुपये की गबन और अमानत में खयानत करने का मामला सिविल लाइंस थाने में दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और भारतीय दंड संहिता की धाराओं 409, 120बी और 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। डॉ. बालाकृष्णा, जो एडवांस चेस्ट सेंटर नामक क्लीनिक संचालित करते हैं, ने बताया कि 2021 से मनोज चांवला उनके पास इलाज के लिए आते थे। कोविड महामारी के दौरान डॉक्टर ने मनोज और उनके परिवारजनों का नि:स्वार्थ इलाज किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच घनिष्ठ संबंध बन गए। बाद में चांवला परिवार ने क्लीनिक की फार्मेसी और लैब की जिम्मेदारी लेने की इच्छा जताई। डॉक्टर के भरोसे पर उन्हें यह जिम्मेदारी सौंप दी गई। इस दौरान उन्होंने क्लीनिक के व्यवसाय को बढ़ाने में भी भूमिका निभाई। डॉ. बालाकृष्णा अस्पताल का विस्तार करना चाहते थे, जिसके लिए बड़ी पूंजी की जरूरत थी। इसी बीच मनोज चांवला और उनके परिजनों ने उन्हें ट्रेडिंग में पैसा लगाने का सुझाव दिया और मूलधन सुरक्षित रहने का आश्वासन दिया। इस भरोसे पर डॉक्टर ने उन्हें किस्तों में 1.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दे दी। जब 2022 में डॉक्टर ने अपने पैसे लौटाने की मांग की, तो चांवला परिवार मुकर गया और किसी भी तरह की राशि लेने से इनकार कर दिया। कई बार आग्रह करने के बाद उन्होंने 1 करोड़ रुपये लौटाने का समझौता किया, जिसमें चेक देने और 2025 तक पैसे वापस करने की शर्तें रखी गई थीं। यह समझौता जून 2024 में तैयार किया गया था। डॉ. बालाकृष्णा का आरोप है कि ये चेक भी फर्जी निकले क्योंकि मनोज चांवला के खातों में पर्याप्त राशि नहीं थी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने किया समीक्षा बैठक

कौशल प्रशिक्षण.... को रोजगार से जोड़ें,युवाओं को बनाएं आत्मनिर्भर

- कौशल से समृद्धि की ओर ङ्क युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर मुख्यमंत्री श्री साय का विशेष जोर

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में कौशल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि युवाओं के कौशल प्रशिक्षण को सीधे रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना है। इसके लिए विभाग द्वारा निरंतर नवाचार और प्रभावी कार्ययोजना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए वर्ष 2025ङ्क26 के लिए जिलेवार प्रशिक्षण उपलब्धि और आबंटित बजट पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0, और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने 'नियद नेल्ला नार' योजना के तहत आत्मसमर्पित माओवादियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के सम्बन्ध में जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि अब तक 549 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि पुनर्वास केंद्रों में 382 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसी क्रम में पीएम जनमन योजना के तहत अत्यंत पिछड़ी जनजाति के युवाओं को दिए जा रहे कोर्सवार प्रशिक्षण की भी समीक्षा की गई। बैठक में विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया गया कि 1 जुलाई 2025 से मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत चेहरा-आधारित स्कैनिंग प्रणाली द्वारा प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है, जिससे पारदर्शिता और निगरानी में सुधार हुआ है। बैठक में विभाग द्वारा निजी संस्थाओं के साथ किए गए एमओयू की जानकारी भी साझा की गई, जिनमें नांदी फाउंडेशन और महिंद्रा एंड महिंद्रा संस्थानों से किए गए समझौते शामिल हैं। इन संस्थानों के माध्यम से राज्य में गुणवत्ता आधारित प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। बैठक में 'कौशल तिहार 2025' के आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं में कौशल के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह प्रतियोगिता जिला और राज्य स्तरीय दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसमें दो आयु वर्ग ङ्क 22 वर्ष से कम एवं 22 वर्ष से अधिक ङ्क के प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में 10 प्रमुख ट्रेड ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी, ब्रिकलेइंग, रिन्युएबल एनर्जी हेल्थ एंड सोशल केयर, प्लंबिंग एंड हीटिंग, इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशंस, इलेक्ट्रॉनिक्स फील्ड टेक्नीशियन, कंप्यूटर, मोबाइल फोन टेक्नीशियन, ग्राफिक्स डिजाइन टेक्नोलॉजी/डेस्कटॉप पब्लिशिंग तथा रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग शामिल है।जिला स्तर पर प्रत्येक ट्रेड और आयु वर्ग से दो विजेताओं का चयन किया जाएगा, जो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। राज्य स्तर के विजेताओं को पुरस्कार, ट्रॉफी और रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

पाकिस्तान से रायपुर पहुंचता था ड्रग्स,पुलिस ने किया सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी पुलिस ने पाकिस्तान से छत्तीसगढ़ के रायपुर तक ड्रग्स की सप्लाई करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मामले में पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है,साथ ही करीब एक करोड़ रूपये का ड्रग्स बरामद किया है। बता दें कि आईजी अमरेश मिश्रा और एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा नशे के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए अंतर्राज्यीय सप्लायरों व स्थानीय नेटवर्क के गठजोड़ को समाप्त करने के निर्देश दिये गये थे। तत्संबंध में पुलिस महानिरीक्षक रायपुर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर के पर्यवेक्षण में स्पेसिफिक्र इनपुट प्राप्त किया जाकर, उस इनपुट को डेवलप किया गया, विदेशी फोन नंबरों एवं रूपयों के लेन-देन हेतु उपयोग किये जा रहे बैंक खातों के एनालिसिस हेतु एक विशेष दस्ते का गठन किया जाकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गयी आरोपियों की पहचान सुनिश्चित करने के पश्चात लगातार उन पर सतत् निगरानी किया जाकर उनके मूव्हमेंट पर नजर रखीं जा रहीं थी। योजनानुसार तथ्यों के पुख्ता होने पर 03.08.2025 को क्राईम ब्रांच व थाना टिकरापारा की विशेष टीम द्वारा थाना टिकरापारा क्षेत्रांततर्गत कमल विहार सेक्टर 04 स्थित 01 मकान में दबिश दी गई। इस दौरान मकान में 03 व्यक्ति उपस्थित थे जिनसे पूछताछ करने पर अपना नाम लवजीत सिंग उर्फ बंटी निवासी पंजाब, सुवित श्रीवास्तव एवं अश्वनी चंद्रवंशी निवासी रायपुर का होना बताया तथा उनके पास से 412.87 ग्राम हेरोईन बरामद किया गया। आरोपियो से पूछताछ के आधार पर प्रकरण में स्थानीय नेटवर्क के लक्ष्य परिफ्ल राघव उर्फ लव, अनिकेत मालाधरे, मनोज सेठ, मुकेश सिंह, जुनैद खान उर्फ सैफ चिला एवं राजविंदर सिंह उर्फ राजू को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब एक करोड़ रूपये कीमत का 412.87 ग्राम हेरोईन, विभिन्न मोबाईल, क्रेटा कार क्रमांक सी जी 04 क्यू एच 7491, तौल मशीन, सिल्वर रोल पेपर।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ का पहला राज्य स्तरीय अधिवेशन रायपुर में सम्पन्न

- पेंशनरों के हित में धारा 49 का विलोपित होना जरूरी - नीलकंठ टेकाम
- स्वदेशी और हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने का आव्हान वीरेन्द्र नामदेव सर्व सम्मति से पुन: प्रांताध्यक्ष निर्वाचित

रायपुर | संवाददाता

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश का पहला राज्य स्तरीय अधिवेशन कल रविवार 3अगस्त को राजधानी रायपुर के आशीर्वाद भवन में आयोजित किया गया. केशकाल के विधायक सेवानिवृत्त आई.ए.एस. और कोंडागांव के पूर्व कलेक्टर,श्री नीलकंठ टेकाम अधिवेशन के मुख्य अतिथि थे. उन्होंने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर एक दिवसीय अधिवेशन का उद्घाटन किया.सेवानिवृत्त आई. ए. एस. और बीजापुर के पूर्व कलेक्टर श्री अनुराग पाण्डे अधिवेशन में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए.अधिवेशन के दूसरे सत्र में निर्वाचन प्रक्रिया के बाद श्री वीरेन्द्र नामदेव को सर्व सम्मति से एक बार फिर तीन साल के लिए महासंघ के प्रांताध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। मुख्य अतिथि श्री नीलकंठ टेकाम ने उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि प्रदेश में राष्ट्रीय विचार धारा को लेकर वरिष्ठ नागरिकों और पेंशनरों के बीच काम करने वाला यह एकमात्र संगठन है, जो सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करते हुए उनमें देशभक्ति की भावना जगाने का भी काम करता है।

अमरकंटक में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं कांवड़ियों ने मृत्युंजय आश्रम में ग्रहण की प्रसादी

मंत्री की अध्यक्षता में स्वशासी समिति की बैठक सम्पन्न

लोगों के दिलों में बस जाए ऐसा काम करें:स्वास्थ्य मंत्री श्याम जायसवाल...

- जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में 14.46 करोड़ के विकास कार्यों की मिली स्वीकृति

रायपुर/ संवाददाता

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज डिमरापाल स्थित स्व. श्री बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को मानवीय दृष्टिकोण से कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मरीजों की सेवा को केवल ड्यूटी न समझें, बल्कि सेवा भाव के साथ इस क्षेत्र में अपना योगदान दें। मंत्री जायसवाल ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, मंत्री और सचिव तो समय-समय पर बदलते रहेंगे, लेकिन आप सभी को जीवनभर इसी क्षेत्र में कार्य करना है। इसलिए ऐसा काम करिए कि लोग वर्षों तक आपको याद रखें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के पास संसाधनों और फंड की कोई कमी नहीं है। यदि सभी मिलकर ईमानदारी और समर्पण से कार्य करें, तो आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के शासकीय अस्पताल, निजी संस्थानों को भी पीछे छोड़ सकते हैं और पूरे देश में पहचान बना सकते हैं। स्व. श्री बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, डिमरापाल में आज आयोजित स्वशासी समिति की साधारण सभा की बैठक में कुल 14 करोड़ 46 लाख के विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई।

छत्तीसगढ़ में एनएचएम कर्मियों का अनिश्चितकालीन आंदोलन 18 अगस्त से, 10 सूत्रीय मांगों को लेकर चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से जुड़े कर्मचारी 18 अगस्त से अपनी 10 प्रमुख मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ एनएचएम कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर शीघ्र कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, तो यह आंदोलन और भी व्यापक और उग्र रूप ले सकता है। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव की पूरी जिम्मेदारी शासन की होगी। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित मिरी ने बताया कि ह॥रू कर्मी बीते कई वर्षों से धैर्य के साथ अपने हक की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी शुरूआत में सेवाओं को बाधित न करते हुए आंदोलन करेंगे, लेकिन अगर सरकार ने इस बार भी उदासीनता बरती, तो संघर्ष ही अंतिम रास्ता होगा। संघ की प्रमुख मांगों में संविलियन और स्थायीकरण, पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना, ग्रेड पे का निर्धारण, कार्य मूल्यांकन प्रणाली में पारदर्शिता।

सीएम साय ने कहा-5000 शिक्षकों की जल्द होगी भर्ती

रायपुर | संवाददाता

छत्तीसगढ़ में जल्द ही 5000 नए शिक्षकों की भर्ती की जाएगी, इसके लिए जल्द ही प्रक्रिया शुरू होने वाली है। सीएम विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में इसकी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की बुनियाद मानती है। जब से मैंने शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी संभाली, उसी क्षण से मेरी प्राथमिकता रही कि विभाग को गहराई से समझते हुए उसमें सुधार की ठोस पहल की जाए। सबसे पहले एक गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें यह पाया गया कि राज्य में शिक्षक और छात्रों का अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर होने के बावजूद वितरण असमान है। ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों की संख्या अधिक है, लेकिन शिक्षक अपेक्षाकृत कम हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में शिक्षक अधिक संख्या में पदस्थ हैं। इस असंतुलन को दूर करने हेतु राज्य में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया आरंभ की गई। इसके परिणामस्वरूप आज छत्तीसगढ़ का कोई भी स्कूल शिक्षक विहीन नहीं है। इस प्रभाव का विस्तार इतना व्यापक रहा कि इरकभट्टी जैसे गांवों में वर्षों से बंद पड़े विद्यालय पुन: प्रारंभ हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब भी शिक्षकों की आवश्यकता बनी हुई है, जिसे ध्यान में रखते हुए 5000 नए शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र आरंभ की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में लागू किया गया है।

मंत्री श्री कश्यप ने जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

तकनीकी समस्याओं का आपसी समन्वय से करें निराकरण

रायपुर/ संवाददाता

विभागीय कार्यों में आ रही समस्याओं का निराकरण आपसी समन्वय स्थापित कर समय-सीमा में निराकरण करें। यह बातें जल संसाधन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज शिवनाथ भवन अटल नगर में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने बैठक में जल संसाधन विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो ने बैठक का संचालन करते हुए कहा कि एमआईएस में आ रही समस्याओं का आपसी समन्वय स्थापित कर 19 अगस्त 2025 के पूर्व समस्त तकनीकी विषयों पर आवश्यक निर्णय लेते हुए निराकरण कर लिया जाए। साथ ही तकनीकी स्वीकृति से संबधित वित्तीय अधिकार को युक्तियुक्त करने हेतु प्रस्ताव 06 अगस्त 2025 तक शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। निविदा प्रपत्र के अंतर्गत 108 प्रकरणों में दोषी पाये गये निविदाकारों के विरूद्ध कार्यवाही एक सप्ताह के भीतर अनिवार्यत: पूर्ण करें और दोषी पाए गए निविदाकारों को आगामी निविदा में भाग लेने के संबंध में निविदा कंडिका में संशोधन हेतु प्रस्ताव एक सप्ताह के भीतर शासन को प्रेषित करना सुनिश्चित करें। बैठक में सचिव श्री टोप्पो ने अधिकारियों को एमआईएस में संबंधित प्रविष्टी प्रदर्शित होने के लिए आवश्यक व्यवस्था भी समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निविदा प्रक्रिया में आ रही समस्याओं का संबंधित मुख्य अभियंता एवं निविदा प्रकोष्ठ कार्यालय प्रमुख अभियंता आपस में समन्वय स्थापित कर निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि बोधघाट वृहद् परियोजना, इन्द्रावती-महानदी

इंटरलिंकिंग परियोजना, शेखरपुर जलाशय एवं डांडपानी जलाशय के निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही पूरी कर तथा प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त योजनाओं में निविदा स्वीकृति का कार्य निर्धारित 100 दिवस की समय-सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो ने बैठक में जलाशयों से कृषकों की माँग के अनुरूप नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए जल प्रदाय किया जाना सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने विभिन्न विषयों पर विभागीय नीति तैयार कर एक माह के भीतर शासन को प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जल-कर में वृद्धि हेतु प्रस्ताव अविलम्ब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्मार्ट मीटरिंग के कार्य को भी पी.पी.पी. माध्यम से कराए जाने हेतु प्रस्ताव अविलम्ब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सचिव श्री टोप्पो ने मंत्री श्री कश्यप को बताया कि विशेष केन्द्रीय सहायता प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत कर दिया जाएगा और परियोजना मण्डल की आगामी बैठक हेतु आवश्यक तैयारियां एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक कार्यवाही भी समय से पूर्ण कर लिया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख अभियंता श्री इंद्रजीत उईके, मुख्य अभियंता सर्वश्री प्रसून शर्मा, डी.के. बुम्मेरकर, जे.आर. भगत, आर.आर. सारथी, एस.के. टीकम, शंकर ठाकुर, के. एस. भंडारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

पाकिस्तान का चेहरा फिर बेनकाब

अमेरिका की ओर से 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किए जाने के बाद अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक ताजा रपट ने इस तथ्य की सत्यता के आधार को और मजबूत कर दिया है। सुरक्षा परिषद की किसी रपट में पहली बार टीआरएफ का जिक्र किया गया है और साथ ही इस बात को भी माना है कि यह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक मुखौटा है। इससे न केवल आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक स्तर पर भारत के प्रयासों को बल मिला है, बल्कि पाकिस्तान एक बार फिर दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाला आतंकी संगठन टीआरएफ ही था और उसने बाकायदा इसकी जिम्मेदारी भी ली थी। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद उसने किसी खास रणनीति के तहत अपना बयान वापस ले लिया था। सुरक्षा परिषद के इस कदम को भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने टीआरफ के नापाक मंसूबों को दुनिया के सामने उजागर किया था और अब सुरक्षा परिषद ने भी इस आतंकी संगठन को चिह्नित कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम हमले के बाद एक बयान जारी कर कहा था कि ऐसे घृणित आतंकवादी कृत्य के लिए जिम्मेदार अपराधियों, साजिशकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कठघरे में लाना जरूरी है। हालांकि, पाकिस्तान के दखल के कारण उस बयान में टीआरएफ का जिक्र नहीं किया गया था। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने तब अपनी संसद में खुद यह दावा किया था कि उन्होंने सुरक्षा परिषद के बयान से टीआरएफ का नाम हटवा दिया है। दरअसल, पाकिस्तान की पहले से यह रणनीति रही है कि उसकी धरती पर फैल रहे आतंक के वृक्ष को वैश्विक स्तर पर चिह्नित नहीं होने दिया जाए। अब सुरक्षा परिषद की इस रपट में टीआरएफ का नाम आना यह साबित करता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की सच्चाई सामने आ रही है। साथ ही यह इस बात का भी संकेत है कि दुनिया आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के दावों को किस नजरिए से देखती है। रपट में एक देश के उन दावों को भी खारिज कर दिया गया है कि लश्कर-ए-तैयबा निष्क्रिय हो चुका है। माना जा रहा है कि वह देश संभवतः पाकिस्तान ही है, क्योंकि यह बात छिपी नहीं है कि लश्कर-ए-तैयबा उसकी धरती पर ही फल-फूल रहा है। रपट में साफ कहा गया है कि पहलगाम आतंकी हमला लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था और टीआरएफ तथा लश्कर-ए-तैयबा के बीच गहरे संबंध हैं। इस सब के बीच सवाल यह भी है कि क्या किसी आतंकी संगठन को वैश्विक स्तर पर चिह्नित कर देने से आतंकवाद पर अंकुश लग जाएगा? जाहिर है, इसके लिए संयुक्त प्रयासों को धरातल पर उतरना होगा और आतंकियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। इसमें दोराय नहीं कि आतंकवाद अब वैश्विक संकट बन चुका है और इससे निपटने के लिए उसकी जड़ों पर प्रहार करना जरूरी है। यह तभी संभव होगा, जब आतंकियों के साथ-साथ उनके वित्तपोषकों और प्रायोजकों को भी न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

भारत तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों एवं स्वच्छ उर्जा को अपना रहा है, जिसके चलते लिथियम-आयन बैटरियों की मांग में काफी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि इस बीच एक बड़ा मुद्दा उभरा है: बैटरी उत्पादन के लिए आयात की गई महत्वपूर्ण सामग्री पर देश की बढ़ती निर्भरता। विश्वस्तरीय आपूर्ति श्रृंखला को भू-राजनैतिक तनाव एवं कारोबार में उथल-पुथल के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में हमें अपने देश में ही बैटरी रीसायक्लिंग के लिए मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा। इस समाधान से न सिर्फ भारत की आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित होगी बल्कि तेज़ी से विकसित होते विश्वस्तरीय उद्योग में आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। कारोबार में तनाव एवं निर्यात पर नियन्त्रण के चलते दुनिया भर में बैटरी मटीरियल का मार्केट प्रभावित हुआ है। मौजूदा भू-राजनैतिक परिस्थितियां जैसे चीन का ईवी टैरिफ एवं निर्यात पर प्रतिबंधों के कारण वभिन्न देश अपनी आपूर्ति श्रृंखला का पुनः मूल्यांकन कर रहे हैं। वर्तमान में इस बाज़ार पर चीन का प्रभुत्व है, जो महत्वपूर्ण बैटरी सामग्री के 78 फीसदी हिस्से का नियन्त्रण करता है। चीन पर इतनी अधिक निर्भरता दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन, उर्जा संग्रहण प्रणाली एवं आधुनिक निर्माण पर गंभीर प्रभाव उत्पन्न कर सकती है।

रिसायक्लिंग-भारत को आपूर्ति श्रृंखला में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामरिक समाधान

(रजत वर्मा)

विश्वस्तरीय आपूर्ति श्रृंखला को भू-राजनैतिक तनाव एवं कारोबार में उथल-पुथल के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में हमें अपने देश में ही बैटरी रीसायक्लिंग के लिए मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा।

भारत तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों एवं स्वच्छ उर्जा को अपना रहा है, जिसके चलते लिथियम-आयन बैटरियों की मांग में काफी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि इस बीच एक बड़ा मुद्दा उभरा है: बैटरी उत्पादन के लिए आयात की गई महत्वपूर्ण सामग्री पर देश की बढ़ती निर्भरता। विश्वस्तरीय आपूर्ति श्रृंखला को भू-राजनैतिक तनाव एवं कारोबार में उथल-पुथल के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में हमें अपने देश में ही बैटरी रीसायक्लिंग के लिए मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा। इस समाधान से न सिर्फ भारत की आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित होगी बल्कि तेज़ी से विकसित होते विश्वस्तरीय उद्योग में आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी।

विश्वस्तरीय आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं- कारोबार में तनाव एवं निर्यात पर नियन्त्रण के चलते दुनिया भर में बैटरी मटीरियल का मार्केट प्रभावित हुआ है। मौजूदा भू-राजनैतिक परिस्थितियां जैसे चीन का ईवी टैरिफ एवं निर्यात पर प्रतिबंधों के कारण वभिन्न देश अपनी आपूर्ति श्रृंखला का पुनःमूल्यांकन कर रहे हैं। वर्तमान में इस बाज़ार पर चीन का प्रभुत्व है, जो महत्वपूर्ण बैटरी सामग्री के 78 फीसदी हिस्से का नियन्त्रण करता है। चीन पर इतनी अधिक निर्भरता दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन, उर्जा संग्रहण प्रणाली एवं आधुनिक निर्माण पर गंभीर प्रभाव उत्पन्न कर सकती है।

इन जोखिमों को कम करने के लिए भारत जैसे देशों को स्थानीय समाधान विकसित करने होंगे ताकि कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता कम की जा सके। ऐसा करके भारत अपने बैटरी उद्योग को बाहरी झटकों एवं कीमतों के उतार-चढ़ाव से सुरक्षित रख सकता है। यह बेहद ज़रूरी है क्योंकि आने वाले समय में ईवी बैटरियों एवं नवीकरणीय उर्जा के विकास के कारण लिथियम, कोबाल्ट एवं निकल की मांग बढ़ने का अनुमान है।

भारत में स्थानीय रिसायक्लिंग की आवश्यकता- भारत ने स्वच्छ उर्जा भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं, 2030 तक 100 मिलियन इलेक्ट्रिक वाहन बेचने की योजना है। इतने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के बावजूद देश को बैटरी निर्माण के लिए लिथियम, कोबाल्ट और निकल का आयात भारी मात्रा में करना पड़ता है। इसी के मद्देनज़र बैटरी अपशिष्ट प्रबन्धन नियमों में एक्सटेंडेड प्रोड्युसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) को शामिल कर भारत ने स्थायित्व की दिशा में उल्लेखनीय कदम बढ़ाया है। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन में रीसायक्लिंग एवं सैकण्डरी सोर्सेज़ (द्वितियक स्त्रोतों) को शामिल करने से इस दृष्टिकोण को और अधिक गति मिली है। स्थानीय स्तर पर रीसायक्लिंग का पैमाना बढाकर तथा इनोवेशन एवं आधुनिक मैनुफैक्चरिंग के द्वारा महत्वपूर्ण खनिजों की घरेलू मांग बढ़ाकर देश विकसित भारत के निर्माण की दिशा में तेज़ी से अग्रसर हो सकता है।

रीसायक्लिंग है सामरिक समाधान- अपने देश में ही रीसायक्लिंग सिस्टम बनाने से भारत को कई फायदे होंगे। स्थानीय स्तर पर बैटरी-ग्रेड मटीरियल उपलब्ध होने से भारत दुनिया भर के मार्केट में होने वाले उतार-चढ़ाव एवं कारोबार की बाधाओं से सुरक्षित रहेगा। इससे भारत के ईवी सेक्टर के विकास के लिए महत्वपूर्ण सामग्री की सुरक्षित एवं सतत आपूर्ति को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

स्थानीय स्तर पर रीसायक्लिंग के द्वारा आपूर्ति श्रृंखला को अनुकूलित करने से आयात पर निर्भरता कम होगी। इससे देश को आर्थिक मजबूती मिलेगी। उदाहरण के लिए महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आयात पर निर्भरता कम करके, भारत अपने कारोबार घाटे को कम कर सकता है और मुद्रा स्थिरता को सशक्त बना सकता है। इसके अलावा रीसायक्लिंग सिस्टम को मजबूत बनाने से, अन्य संबंधित क्षेत्रां जैसे लॉजिस्टिक्स, मैनुफैक्चरिंग, अनुसंधान एवं विकास को भी गति मिलेगी।

इसके अलावा विश्वस्तरीय निवेशक भी निवेश के स्थायी एवं प्रत्यास्थ अवसरों की ओर आकर्षित होते हैं, ऐसे में रीसायक्लिंग उद्योग को मजबूत बनाने से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ेगा। भारत सर्कुलर इकोनोमी एवं स्थायित्व के विश्वस्तरीय रूझानों को अपनाकर हरित निवेश को आकर्षित कर सकता है।

घरेलू क्षमता का बढ़ाना- एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में लिथियम-आयन बैटरी रीसायक्लिंग का मार्केट 21 फीसदी सीएजीआर की दर से बढ़कर 2030 तक 24 बिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंच जाएगा। भारत स्थानीय रीसायक्लिंग को बढ़ावा देकर इसमें बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए नीति-निर्माताओं, इनोवेटर्स, शोध संस्थानों एवं उद्योग जगत के लीडरों को एक साथ मिलकर काम करना होगा।

निम्नलिखत को मुख्य कार्यों में शामिल किया जाए: विनियामक ढांचे को मजबूत बनानाः भारत सरकार को मौजूदा विनियमों जैसे बैटरी अपशिष्ट प्रबन्धन नियम, को मजबूत बनाना होगा। बड़े पैमाने पर अनौपचारिक रीसायक्लिंग सेक्टर को औपचारिक बनाने की आवश्यकता है। अधिक विनियमित प्रणाली न सिर्फ रिकवरी रेट में सुधार लाएगी बल्कि दीर्घकालिक निवेश को भी आकर्षित करेगी।

रीसायक्लिंग को प्रमुख उद्योग का दर्जा देनाः रीसायक्लिंग को अन्य उद्योगों जैसे मैनुफैक्चरिंग, या उर्जा के समकक्ष माना जाना चाहिए। ऐसा करने से भारत अपने घरेलु सर्कुलर इकोनोमी को तेज़ी से औपचारिक, मानकीकृत बना सकेंगे और इसका पैमाना बढ़ा सकेगा।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ानाः इस सिस्टम का पैमाना बढ़ाने और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी एजेंसियों, निजी उद्यमों एवं शोध संस्थानों के बीच साझेदारी ज़रूरी है।

टेक्नोलॉजी के अडॉप्शन को बढ़ानाः आर एण्ड डी को समर्थन देना और इसे आर्थिक प्रोत्साहन देना ज़रूरी है। रीसायक्लिंग की आधुनिक तकनीकों में निवेश कर भारत मटीरियल रिकवरी रेट को बढ़ा सकता है और संचालन की लागत को कम कर सकता है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार- आधुनिक रीसायक्लिंग सुविधाओं में निवेश ज़रूरी है। क्षेत्रीय रीसायक्लिंग हब, लॉजिस्टिक्स संबंधी मुश्किलों को हल कर सकते हैं और सुनिश्चित कर सकते हैं कि खत्म होने वाले बैटरियों को ठीक तरह से प्रोसेस किया जाए, जिससे आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। इस तरह के प्रयास देश के अपने रीसायक्लिंग सिस्टम में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और भारत के स्थायी बैटरी प्रबन्धन में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित कर सकते हैं। (लेखक संस्थापक एवं सीईओ, लोहम है)। यह लेखक के निजी विचार हैं।

सिकुड़ रहीं नदियां व वेटलैंड, धरती की कोख भी प्यासी

(नवीन कुमार)

यमुना सिटी। देश-विदेश में प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है। गौतमबुद्ध नगर में भी संरक्षण के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत कुछ और है। यहां यमुना और हिंडन दो नदियां हैं। जो अवैध निर्माण के कारण सिकुड़ती जा रही है। विकास व शहरीकरण के नाम पर खेती लगभग खत्म हो चुकी है। अधाधुंध भूजल दोहन से जल स्तर तेजी से गिर रहा है। काफी जगह पानी पीने लायक नहीं रहा है। वेटलैंड भी अनदेखी के शिकार हो रहे हैं। चारों तरफ कंक्रीट की इमारतें खड़ी हो चुकी हैं। पौधरोपण किया जा रहा है, परंतु पौधों के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वेटलैंड के चारों तरफ अवैध निर्माण, पानी दूषित- सूरजपुर वेटलैंड करीब 300 हेक्टेयर जमीन पर फैला हुआ है। हर वर्ष यहां पर बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी पहुंचते हैं। पर्यटक भी काफी जाते है, लेकिन अनदेखी के कारण वेटलैंड पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसके चारों तरफ अवैध निर्माण हो गया है। बड़ी-बड़ी बिल्डिंग व मकान बन गए हैं। जबकि एनटीजी ने 50 मीटर के दायरे में निर्माण पर रोक लगा रखी है। अब इन कॉलोनियों का गंदा पानी वेटलैंड में जा रहा है। गंदे पानी से हजारों पेड़ सूख गए। पिछले एक साल से दूषित पानी के लिए एसटीपी लगाने की कवायद चल रही है, लेकिन अब तक नहीं लग सका। वहीं धनौरी वेटलैंड का भी संरक्षण नहीं हो रहा है। पिछले एक साल से प्रस्ताव शासन स्तर पर अटका हुआ है।

अवैध फार्म हाउस व मकानों से सिकुड़ी नदियां- जिले में हिंडन और यमुना नदी सिकुड़ती जा रही है। आज से 30-40 वर्ष पहले जैसे स्वरूप नदियों का नहीं रहा है। यमुना के किनारे अवैध फार्म हाउस बन चुके हैं। वहीं हिंडन के किनारे अवैध कॉलोनी बस चुकी है।

नदी का बहाव तक मोड़ा- कई जगह नदी का बहाव तक मोड़ दिया गया है। यह सिलसिला अभी भी जारी है। नदियों को बचाने के लिए हर वर्ष जिला स्तर पर योजना बनती है। पेड़ लगाए जाते है, लेकिन अनदेखी से योजना असफल साबित हो रही है। कुछ साल पहले जल स्तर बढ़ने पर बड़ी संख्या में लोगों को बाहर निकाला गया। तब भी अवैध निर्माण को तोड़ने का दावा किया गया, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

गिर गया भूजल स्तर, पानी का संकट सिर पर- नोएडा, ग्रेटर नोएडा से लेकर दादरी, जेवर आदि जगह पर तेजी से भूजल स्तर गिर रहा है। हर वर्ष एक मीटर तक भूजल स्तर गिरा है। पर्यावरणविदों का कहना है कि अगर यहीं हाल रहा तो दिल्ली की तरह लाइन में लगकर पानी लेना होगा। चिंताजनक स्थिति होने के बाद भी जल संरक्षण के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। बिल्डर प्रोजेक्टों पर अवैध तरीके से भूजल दोहन हो रहा है। सभी इमारतों के रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बंद है। वाटर रिचार्ज पर काम नहीं किया जा रहा है। गंगाजल आने के बाद भी प्राधिकरण पूरे शहर में भूजल की आपूर्ति कर रहा है।

भूउपयोग बदलकर खड़ी की जा रहीं इमारतें पर्यावरणविद विक्रांत तोंगड़ का कहना है कि जिले में खेती लगभग खत्म हो चुकी है। खेती से जुड़ाव भी कम हो गया है। भूउपयोग बदलकर कंक्रीट की इमारत खड़ी की जा रही है। इस कारण लोग भी प्रकृति से अलग हो चुके है। पहले नीम के पेड़ के नीचे बैठकर लोग समय गुजारते थे, लेकिन अब एसी का कमरा चाहिए। उसके बिना बैठ नहीं सकते है। नदियों का जल स्तर भी कम हो गया है। ग्रॉस लैंड भी नहीं बची है। पौधरोपण में विदेशी पौधों का उपयोग किया जा रहा है, जो कारगर नहीं है।

मालेगांव से मंथन तक- सत्य की प्रतिष्ठा, साजिश की पराजय

2008 में मालेगांव विस्फोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को सत्ता की सियासत ने न्याय के विमर्श से हटा कर केवल एक राजनीतिक प्रयोगशाला बना डाला। जो भगवा युगों से त्याग, तपस्या और तेजस्विता का प्रतीक है, उसे आतंक का पर्याय ठहराने की कपटी कोशिश की गई। 'भगवा आतंकवाद' ये वो शब्द था, जिसे चुनावी लाभ के लिए कांग्रेस ने गढ़ा, मीडिया ने गाया और सियासत ने देश की आत्मा पर थोप दिया। इस जुमले में न केवल भाषा की मर्यादा टूटी, अपितु राष्ट्र की आत्मा भी आहत हुई। कांग्रेस की यह कुनीति कोई चूक नहीं थी, यह एक सुविचारित साजिश थी, भारत की मूल चेतना को कलंकित करने का षड्यंत्र था।

(प्रणय विक्रम सिंह)

मालेगांव विस्फोट कांड में मुंबई की विशेष एनआईए अदालत द्वारा सभी सातों आरोपियों को बरी किया जाना 'सत्यमेव जयते' का सिंहनाद है। यह निर्णय वह ऐतिहासिक क्षण है, जब सत्य, अन्याय के शोरगुल के पार खड़ा होकर घोषणा कर रहा है कि मैं पराजित नहीं, केवल प्रतीक्षित था। यह निर्णय केवल अभियुक्तों की दोषमुक्ति नहीं, बल्कि एक षड्यंत्र के शमन और सनातन पर हुए संदेह के संहार का उद्घोष है।

यह उस सत्य की पुनर्प्रतिष्ठा है, जिसे कांग्रेस की कुटिल सत्ता ने साजिश, संदेह और सुनियोजित अपकीर्ति के अंधकार में कैद रखने का षड्यंत्र रचा था।

यह कांग्रेस के उस चरित्र का पर्दाफ़ाश है, जो सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए न्याय को कुचलने, राष्ट्र को कलंकित करने और साधु-सैनिकों की संपूर्ण साधना को अपमानित करने से भी नहीं हिचकिचाया। यह एक दुस्साहसी दुष्चक्र के ध्वंस का आरंभ है।

भगवा पर षड्यंत्र का भार- 2008 में मालेगांव विस्फोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को सत्ता की सियासत ने न्याय के विमर्श से हटा कर केवल एक राजनीतिक प्रयोगशाला बना डाला। जो भगवा युगों से त्याग, तपस्या और तेजस्विता का प्रतीक है, उसे आतंक का पर्याय ठहराने की कपटी कोशिश की गई।

'भगवा आतंकवाद' ये वो शब्द था, जिसे चुनावी लाभ के लिए कांग्रेस ने गढ़ा, मीडिया ने गाया और सियासत ने देश की आत्मा पर थोप दिया। इस जुमले में न केवल भाषा की मर्यादा टूटी, अपितु राष्ट्र की आत्मा भी आहत हुई।

कांग्रेस की यह कुनीति कोई चूक नहीं थी, यह एक सुविचारित साजिश थी, भारत की मूल चेतना को कलंकित करने का षड्यंत्र था। एक सोची-समझी रणनीति थी, जिसकी जड़ें देश के सांस्कृतिक मर्म को काटने के लिए बोई गई थीं।

राहुल गांधी ने अमेरिका के राजदूत से कहा था कि हिंदू आतंक लश्कर से भी बड़ा खतरा है क्या आज राहुल गांधी और कांग्रेस राष्ट्र से क्षमा मांगेंगे?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ललकार- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस निर्णय को न केवल न्याय का उद्घोष कहा, बल्कि भारतविरोधी नैरेटिव के विध्वंस के रूप में देखा।मालेगांव विस्फोट प्रकरण में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना 'सत्यमेव जयते' की सजीव उद्घोषणा है। यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुनः उजागर करता है, जिसने 'भगवा आतंकवाद' जैसा मिथ्या शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों और राष्ट्रसेवकों की छवि को कलंकित करने का अपराध किया है। कांग्रेस को अपने अक्षम्य कुकृत्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए देश से माफी मांगनी चाहिए।

यह केवल मुख्यमंत्री का वक्तव्य नहीं, देश की संवेदनशील आत्मा की स्वरबद्ध उद्घोषणा है, जो कह रही है अब और नहीं।

निर्दोषों की पीड़ा- साध्वी से सैनिक तक- साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी समेत सभी अभियुक्त, ये वे नाम हैं, जिन्होंने वर्षों तक जेल की सलाखों के पीछे सत्ता की सनक की कीमत चुकाई।

कठोर यातनाओं के चलते साध्वी प्रज्ञा का स्वास्थ्य चिरकालिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ। साध्वी प्रज्ञा आज भी जब बोलती हैं, उनकी आवाज में वह पीड़ा झलकती है जो एक राजनीतिक प्रहार और कूटनीतिक कारावास की परिणति है। एक महिला संन्यासिनी को हिंदू होने की सजा दी गई, उन्हें अदालतों में घसीटा गया, परिजन तोड़े गए, मनोबल मारा गया।

लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित जो भारतीय सेना में आतंक-निरोधी अभियानों में सहभागी थे, देश के प्रति समर्पित फौजी थे, उन्हें बिना किसी ठोस साक्ष्य के 9 वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया।

इन सबकी पीड़ा, उनके मौन, उनकी कराह और समाज की चुप्पी, यह भारत के लोकतंत्र पर अनुत्तरित प्रश्नचिह्न की भांति अटक गई थी।

आज निर्दोष साबित होने पर क्या कांग्रेस उनके खोए हुए सम्मान, जीवन के लुटे हुए वर्ष, और अपमानित अस्तित्व का प्रायश्चित कर सकती है? क्या कांग्रेस भारत की सभ्यता से यह कहेगी कि 'हां, हमने तुम्हें बदनाम किया, क्योंकि तुम्हारा भगवा हमें असहज करता था'?

इस ऐतिहासिक निर्णय में जब विशेष अदालत ने स्पष्ट कहा कि 'इन अभियुक्तों के विरुद्ध कोई विश्वसनीय प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका' तो यह केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि कांग्रेस की वैचारिक विफलता का अभिलेख है।

निर्णय का समाज-राजनीति पर प्रभाव- यह निर्णय वामपंथी मानस को झकझोरेगा और कांग्रेस जैसे दलों को यह सोचने पर विवश करेगा कि वोटबैंक की राजनीति के लिए देश की संस्कृति को बलि नहीं चढ़ाया जा सकता।

अब कांग्रेस को जवाब देना होगा कि उसने राजनीति के लिए राष्ट्रीय अस्मिता को क्यों नीलाम किया? वह क्यों चुप रही जब निर्दोषों की यातनाएं चीख रहीं थीं? वह क्यों धर्म के नाम पर न्याय को विभाजित कर रही थी? यह निर्णय 2024 के बाद कांग्रेस के वैचारिक ढांचे को और भी जर्जर करेगा।

यह फैसला मीडिया की उस प्रवृत्ति को भी कठघरे में खड़ा करता है जो 'इल्ज़ाम को ही इल्म समझती है।' खुद ही अदालत बन जाती है। टीआरपी की दौड़ में बिना जांच-पड़ताल किए किसी भी व्यक्ति के सम्मान और चरित्र का चरित्र कलंकित कर देती है।

अब आम नागरिक भी पूछेगा कि क्या खबरों की हेडलाइनों के नीचे छुपा सच कभी मीडिया के गिरेबान में झांकेगा !वर्षों तक केस खिंचने के बाद यह फैसला एक बात स्पष्ट करता है कि सत्य को जितना भी दबाया जाए, वह अंततः उग आता है। यह भारतीय न्याय व्यवस्था की उस संवेदनशील दृढ़ता का प्रमाण है, जो राजनीति की छाया से परे है।अब 'सत्यमेव जयते' केवल शिलालेख नहीं, संघर्ष और संकल्प का सजीव संदेश है। यह उन सबके लिए चेतावनी है, जो सत्ता की साजिश में सत्य को दफन करना चाहते हैं, जो सनातन के प्रतीकों को अपराध की भाषा में ढालना चाहते हैं, जो राष्ट्र की संस्कृति को वोटबैंक की बलि चढ़ा देना चाहते हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पोलियो का नया मामला, कुल संख्या 18 हुई; बच्चों को खतरा बरकरार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो वायरस का एक नया मामला सामने आया है, जिससे इस साल देश में कुल मामलों की संख्या 18 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के पोलियो उन्मूलन क्षेत्रीय प्रयोगशाला ने शुक्रवार को इस नए मामले की पुष्टि की। यह मामला टैंक ज़िले की मोलाज़ई यूनियन काउंसिल में 10 महीने के एक बच्चे में पाया गया है। अकेले खैबर पख्तूनख्वा में अब तक 11 पोलियो के मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा, सिंध में 5, पंजाब और गिलगित-बाल्टिस्तान में एक-एक मामला दर्ज हुआ है। एनआईएच के अनुसार, वायरस की लगातार मौजूदगी यह दर्शाती है कि पोलियो के खतरे पर पूरी तरह काबू नहीं पाया गया है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां टीकाकरण को लेकर झिझक बरकरार है।21 से 27 जुलाई तक अफगान सीमा से लगे इलाकों और बलूचिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया गया था, ताकि अफगानिस्तान के साथ समन्वित प्रयास किए जा सकें।

चीन में जापानी महिला पर हमला, टोक्यो में दो चीनी नागरिक घायल

सूझोउ, एजेंसी। चीन के सूझोउ शहर में गुरुवार देर रात एक जापानी महिला पर एक व्यक्ति ने पत्थर जैसी वस्तु से हमला कर दिया। महिला को हल्की चोटें आईं, जबकि उसका बच्चा सुरक्षित है। इलाज के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। जापानी मीडिया के मुताबिक, घटना सबवे स्टेशन में हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी दिन जापान की राजधानी टोक्यो में दो चीनी नागरिकों पर भी हमला हुआ, जिनमें दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। चार हमलावर मौके से फरार हो गए और अब तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। इस घटना के बाद दोनों देशों में विदेशियों के प्रति बढ़ती नफरत को लेकर चिंता जताई जा रही है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में यह तीसरी बार है जब चीन में जापानी नागरिकों पर हमला हुआ है। सितंबर 2023 में चीन के शेन्जेन में एक 10 साल के जापानी बच्चे की हत्या कर दी गई थी। जून 2024 में सूझोउ में ही एक जापानी महिला और उसके बच्चे पर हमला हुआ था, जिसमें उन्हें बचाने की कोशिश करने वाले एक चीनी बस अटेंडेंट की मौत हो गई थी।

माली के पूर्व प्रधानमंत्री मूस्सा गिरफ्तार, सेना विरोधियों से सहानुभूति जताने पर मुकदमा

बामको , एजेंसी। माली में सैन्य सरकार के खिलाफ बोलने वालों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मूस्सा मारा को शुक्रवार को प्रीट्रायल हिरासत में भेज दिया गया। उन पर जेल में बंद सैन्य सरकार के आलोचकों के प्रति सहानुभूति जताने का आरोप है। मारा ने चार जुलाई को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि उन्होंने सैन्य सरकार के आलोचकों से जेल में मुलाकात की। उन्होंने यह भी कहा, जब तक रात है, सूरज जरूर निकलेगा। हम पूरी ताकत से यह सुनिश्चित करेंगे कि वह जल्दी निकले।

यूक्रेन के परमाणु केंद्र पर हमला, अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी का दावा- धमाके के बाद धुंआ उठता देखा

कीव, एजेंसी।अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने शनिवार को दावा किया है कि यूक्रेन के एक परमाणु केंद्र पर हमला हुआ है। एजेंसी ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु केंद्र के नजदीक धमाके की आवाज सुनी और परमाणु केंद्र के एक हिस्से से धुंआ उठता देखा। अभी धमाके में हुए नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है।

चिली में तांबे की खदान में फंसे पांच श्रमिकों में से एक का शव मिला

सैंटियागो, एजेंसी। चिली में दो दिन पहले आए भूकंप के कारण तांबे की एक खदान ढह गई थी। इस खदान में पांच खनिक फंस गए थे। अब बचावकर्मियों को उन मजदूरों में से एक का शव मिला है। खान में फंसे खनिकों तक पहुंचने के लिए बचाव अभियान जारी है। बचावदल के प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को मिला शव खदान में फंसे पांच खनिकों में से एक है।

हमास कमांडर सलाह अल-दीन जारा को आईडीएफ ने मार गिराया

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने हमास कमांडर सलाह अल-दीन जारा को मार गिराया है। वह हमास आतंकवादी संगठन में अल-फुरकान बटालियन का उप-कमांडर था। आईडीएफ का कहना है कि वह 24 जुलाई, 2025 को मारा गया। इसके अलावा, उत्तरी गाजा पट्टी के बेत हनून इलाके में सुरंग में छिपे आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। आईडीएफ के अनुसार, जारा पहले बटालियन की लड़ाकू सहायता कंपनी का कमांडर था।

फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर देंगी इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह आठ अगस्त को अपने पद से इस्तीफा देंगी। इस फैसले से फेड की ताकतवर बोर्ड में एक सीट खाली होगी, जिसे अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भर सकेंगे। कुगलर को सितंबर 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नियुक्त किया था। वह फेड की पहली हिस्पैनिक महिला गवर्नर थीं।

इस्तीफे के पीछे उन्होंने कोई कारण नहीं बताया, लेकिन उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा कि उन्होंने इस भूमिका को पूरी ईमानदारी और डेटा-आधारित दृष्टिकोण के साथ निभाया। बता दें कि कुगलर ने अपनी आखिरी सार्वजनिक टिप्पणी में फेड चेयर जेरोम पॉवेल के उस रुख का समर्थन किया था कि मौजूदा ब्याज दरें फिलहाल स्थिर रखी जाएं, ताकि ट्रंप की व्यापारिक नीतियों का असर समझा जा सके। बीते कई दिनों से फेड के प्रमुख जेरोम पॉवेल और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनाव की कई सारी खबरें सामने आती रही है। हाल ही की बात करें तो ट्रंप ने शुक्रवार को ही पॉवेल को जिद्दी मूर्ख बताते हुए ब्याज दरों में तुरंत कटौती की मांग की। उन्होंने फेड पर बार-बार दबाव बनाया है कि वह उनकी नीतियों के अनुसार काम करे। ऐसे में अब माना जा रहा है कि ट्रंप कुगलर की खाली सीट पर ऐसा व्यक्ति नियुक्त कर सकते हैं, जिसे वे 2026 में पॉवेल की जगह फेड चेयर बनाना चाहें। पॉवेल का चेयरमैन का कार्यकाल मई 2026 में खत्म होगा।

गाजा में अपनी कब्र खोद रहा इजराइली बंधक

गाजा, एजेंसी।
गाजा में चल रहे युद्ध को लेकर हमास ने शनिवार को कहा है कि वह आजाद फिलिस्तीनी राज्य नहीं बनने तक हथियार नहीं छोड़ेगा। हमास का 2007 से गाजा पर नियंत्रण है। हमास ने कहा कि हम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ की बातों का जवाब दे रहे हैं। विटकॉफ ने कहा था कि हमास हथियार डालने के लिए तैयार है। इस बीच, इजराइल पर दबाव बढ़ाने के लिए हमास ने शनिवार को 24 साल के इजराइली बंधक एव्यातार डेविड का दूसरा वीडियो जारी किया। इसमें डेविड काफी कमजोर और एक गड्ढा खोदता हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में डेविड बताते हैं कि मैं अपनी कब्र के लिए गड्ढा खोद रहा हूं। शुक्रवार को भी डेविड का वीडियो जारी किया गया था। डेविड के परिवार ने हमास पर क्रूर प्रचार और बंधकों को भूखा रखने का आरोप लगाया। साथ ही इजराइल और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। लग रहा है, मैं अपनी कब्र के लिए गड्ढा खोद रहा हूं। मेरा शरीर दिन-प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। मैं सीधे अपनी कब्र की ओर जा रहा हूं, शायद मुझे यहीं दफना दिया जाएगा। मेरा समय खत्म हो रहा है। मैंने कई दिनों से कुछ खाया भी नहीं है। मैं लंबे समय से बहुत बुरी परिस्थिति में रह रहा हूं। हमास हमले के दौरान 7 अक्टूबर, 2023 को 251 इजराइली बंधक बनाए गए थे। इसमें 49 अभी भी गाजा में बंधक हैं, डेविड इनमें से ही एक है। वहीं, इजराइली सेना का कहना है कि 49 में से 27 मर चुके हैं। हमास ने बंधक के वीडियो में भुखमरी के मुद्दे को भी शामिल किया है और चेतावनी दी है कि बंधक भूख से मर रहे हैं। वीडियो के सामने आने के बाद तेल अवीव में बंधकों के समर्थन में रैली आयोजित की गई। लोग पोस्टर लेकर इकट्ठे हुए थे और बंधकों की तुरंत रिहाई की मांग कर रहे थे। डेविड के भाई ने रैली में कहा- वे पूरी तरह से मौत के कगार पर है। इस स्थिति में उसके पास जीने के लिए केवल कुछ ही दिन बचे हैं। एक बयान में डेविड के परिवार ने उनके बेटे तक भी सहायता पहुंचाने की मांग की है। वहीं, इजराइल रक्षा बल (ढ्ढष्ठस्न) के लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर हमास बंधक बनाए गए लोगों को जल्दी नहीं छोड़ेगा तो गाजा में लड़ाई में कोई राहत नहीं मिलेगी। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा, दुनिया उन कठिन तस्वीरों के सामने चुप नहीं रह सकती, जो बंधकों के साथ जानबूझकर किए गए क्रूर बर्ताव का परिणाम हैं। कतर और मिस्र की मध्यस्थता में पिछले हफ्ते गाजा-इजराइल के बीच सीजफायर को लेकर बातचीत बेनतीजा रही। हमास और इजराइल के बीच इजरायली सैनिकों की वापसी, गाजा में सहायता वितरण और स्थायी युद्धविराम जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेद बने हुए हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, इजराइल ने हमास के हथियार डालने और गाजा में उसके शासन के अंत पर जोर दिया, जबकि हमास ने इजराइली सेना की पूर्ण निकासी और फिलिस्तीनी राज्य की मान्यता की मांग रखी। गाजा-हमास पर चर्चा के लिए अमेरिकी मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ 31 जुलाई को इजराइल पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। यह उनका छह महीने में पहला इजराइल दौरा है। विटकॉफ और अमेरिकी राजदूत माइक हकबी ने 1 अगस्त को गाजा में अमेरिका-इजराइल समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के एक सहायता वितरण स्थल का दौरा भी किया। द गार्जियन के अनुसार, विटकॉफ ने गाजा में 5 घंटे बिताए। कहा कि वह गाजा की मानवीय स्थिति का आकलन कर एक सहायता योजना तैयार करने में मदद करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि विटकॉफ और हकबी गाजा में स्थानीय लोगों से मिले और सहायता वितरण को बेहतर बनाने की योजना पर चर्चा की। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस दौरे को प्रचार स्टंट करार दिया, क्योंकि त।ास्न स्थलों पर हिंसा और गोलीबारी की घटनाएं आम हैं। विटकॉफ ने नेतन्याहू के साथ एक ऑल-इन डील पर चर्चा की, जिसमें सभी बंधकों की एकमुश्त रिहाई और हमास का हथियार डालना शामिल है।

लंदन में आमने-सामने प्रवासियों के समर्थक और विरोधी, होटल के बाहर किया गया जोरदार प्रदर्शन

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शनिवार को प्रवासियों को लेकर दो विरोधी गुटों के बीच टकराव हुआ। ये प्रदर्शन एक होटल के बाहर हुए, जहां शरणार्थियों को ठहराया गया है। एक तरफ कई सौ लोग यूनियन जैक (ब्रिटेन का झंडा) लहराते हुए थिसल सिटी बार्बिकन होटल के बाहर इकट्ठा हुए। उन्होंने होटल में रह रहे प्रवासियों के खिलाफ नारे लगाए जैसे- ब्रिटेन भर गया है और गंदे लोग। उनका कहना था कि यह होटल प्रवासियों के लिए बंद कर दिया जाना चाहिए। दूसरी ओर, एक बड़ी संख्या में लोग शरणार्थियों का स्वागत है जैसे नारे लगाते हुए इनका विरोध कर रहे थे। पुलिस ने दोनों गुटों को अलग-अलग रखने के लिए मोर्चा संभाला। होटल के अंदर मौजूद लोग इन विरोध प्रदर्शनों को खिड़कियों से देख रहे थे। ऐसे ही प्रदर्शन हाल ही में लंदन के बाहरी इलाके एपिंग में भी हुए, जहां एक प्रवासी पर यौन शोषण का आरोप लगा था। इसके अलावा इंग्लैंड के कई अन्य शहरों में भी प्रवासी-विरोधी प्रदर्शन हुए हैं। प्रदर्शनकारी कह रहे हैं कि वे प्रवासियों से सुरक्षा को खतरा महसूस कर रहे हैं, खासकर वे प्रवासी जो हाल ही में छोटी नावों से इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंचे हैं। इनमें से ज्यादातर युवा पुरुष हैं। इन प्रदर्शनों में कुछ स्थानीय लोग शामिल हुए, लेकिन कई प्रदर्शन दक्षिणपंथी (फार-राइट) गुटों की तरफ से आयोजित या समर्थित भी थे।

एक साल पहले, गर्मियों के मौसम में कई दिनों तक इंग्लैंड और नॉर्दर्न आयरलैंड में प्रवासी विरोधी दंगे हुए थे। तब भीड़ ने प्रवासियों को ठहराने वाले होटलों, मस्जिदों, पुलिस स्टेशनों और एक पुस्तकालय पर हमला किया था। कुछ हमलावरों ने गैर-श्वेत लोगों को भी निशाना बनाया था, और पुलिस पर ईंटें और आतिशबाजियां फेंकी थीं। इस हिंसा की शुरुआत साउथपोर्ट शहर में एक डांस क्लास के दौरान हुई थी, जहां तीन लड़कियों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैली कि हमलावर कोई नया प्रवासी है, जबकि असल में हत्यारा ऐक्सेल रूडकुबाना एक ब्रिटिश जन्मा 17 साल का युवक था।

वहीं इसे लेकर तमाम विशेषज्ञ और सामाजिक संगठन कह रहे हैं कि गुस्सा, डर, झूठी खबरें और राजनीतिक उकसावे जैसी चीजें फिर से ऐसी हिंसा को जन्म दे सकती हैं। हालांकि इस बार के प्रदर्शन अभी तक छोटे और शांतिपूर्ण रहे हैं।

सिख कारोबारी सुखी चहल की अमेरिका में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत

वाशिंगटन, एजेंसी।
खालिस्तानियों का पुरजोर विरोध करने वाले सिख सुखी चहल की अमेरिका के कैलिफोर्निया में संदिग्थ परिस्थितियों में मौत हो गई है। सुखी चहल अमेरिका में ही रहकर कारोबार करते थे। वह अकसर खालिस्तान के विरोध में बयान भी दिया करते थे। जानकारों का कहना है कि उन्होंने अमेरिका में खालिस्तानियों की नाक में दम कर रखा था। सुखी के एक करीबी दोस्त जसपाल सिंह ने कहा कि शनिवार को उन्हें एक परिचित व्यक्ति ने डिनर पर बुलाया था। खाना खाने के बाद ही उनकी तबीयत खराब हो गई और मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पहले से सुखी को कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं थी। सुखी की अचानक मौत से कई सवाल भी उठ रहे हैं। विदेश में खालिस्तानियों की गतिविधियों के खिलाफ सुखी अकसर मोर्चा खोले रहते थे। वहीं वॉशिंगटन में खालिस्तानी संगठनों के जनमत संग्रह से पहले उनकी अचानक मौत ने राज और गहरे कर दिए हैं। 17 अगस्त का खालिस्तानी संगठन वॉशिंगटन डीसी में जनमत संग्रह करवाने वाले हैं। खालसा टुडे के संस्थापक और सीईओ सुखी चहल को अकसर खालिस्तानी धमकी देते रहते थे। इसके बाद भी वह निडर होकर खालिस्तानियों की आलोचना करते थे। सुखी के करीबी बूटा सिंह कलेर ने कहा कि उनकी मौत के बाद भारत का समर्थन करने वाले समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। कलेर ने कहा, पुलिस उनकी मौत की जांच कर रही है। ऑटोप्सी रिपोर्ट में सच सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा, सुखी हमेशा ही भारतीयों को यही सलाह देते थे कि अमेरिका में रहना है तो यहां के कानून का पालन करना पड़ेगा। इसके अलावा अपराध से दूर रहना होगा। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा था, अमेरिका में कानून व्यवस्था बेहद कड़ी है। अगर आप कानून तोड़ते हैं तो आपका वीजा रद्द हो सकता है।

2000 ईरानी मौलवियों ने ट्रम्प की हत्या की मांग की्बोले- ट्रम्प का खून करना हलाल

तेहरान, एजेंसी।
ईरान में 2000 से ज्यादा मौलवियों ने खुलकर अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की मांग की है। इन मौलवियों ने कहा है कि ट्रम्प का खून हलाल है यानी कोई भी उन्हें खत्म कर दे तो गुनाह नहीं है। मौलवियों ने कहा है कि जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेना हर मुसलमान का फर्ज है। ये बयान 1 अगस्त यानी शुक्रवार को ईरान के सबसे बड़े धार्मिक शिक्षा केंद्र कुम सेमिनरी की तरफ से जारी किया गया। इसमें कहा गया, अब सब्र का दौर समाप्त हो गया है। ट्रम्प का खून और उसकी संपत्ति अब हलाल है। सुलेमानी की शहादत का बदला लेना हर मुसलमान का फर्ज है। ये खूनी अपराधी अब नहीं बचेगा। दुनिया चुप नहीं बैठेगी। बदला जरूर लिया जाएगा। जनरल कासिम सुलेमानी, ईरान के एक ताकतवर सैन्य अधिकारी थे जिन्हें 2020 में बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मार दिया गया था। ईरान ने 2023 में ट्रम्प को मारने की धमकी दी थी। ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड एयरोस्पेस फोर्स के तत्कालीन हेड अमीराली हाजीजादेह ने कहा था कि ईश्वर ने चाहा तो हम ट्रम्प को जरूर मारेंगे। हम उन सभी मिलिट्री कमांडर को मारना चाहते हैं, जो ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या में शामिल थे। दरअसल, 3 जनवरी 2020 को तब के अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प के आदेश पर उनकी सेना और ष्टद्ब ने मिलकर कासिम सुलेमानी को मारा था। 2019 में जब अमेरिकी राष्टपति ट्रम्प ने ईरान को परमाणु संधि तोड़ने के लिए तबाही की धमकी दी थी।

तंजानिया के मर्द 80 साल की उम्र में भी 10 बच्चे पैदा करने का रखते हैं दम

तंजानिया, एजेंसी।
पूर्वी अफ्रीका का देश तंजानिया अपनी अनूठी जनजातियों और परंपराओं के लिए जाना जाता है। यहां की जनजातियां जैसे मसाई, माकोन्डेय और मनाती पिछले 5000 सालों से अपने पुराने तौर-तरीकों से जीवन जी रही हैं। इन आदिवासियों के बारे में एक चौंकाने वाला दावा किया जाता है कि यहां के पुरुष 80 साल की उम्र में भी 10 बच्चे पैदा करने की क्षमता रखते हैं। आखिर क्या है इसके पीछे का राज? आइए जानते हैं इनकी अनोखी जीवनशैली और परंपराओं के बारे में।

इन आदिवासियों की सबसे खास बात उनकी डाइट है। जहां हम सुबह की शुरुआत चाय या कॉफी से करते हैं वहीं ये लोग सीधे ताज़ा जानवरों का गर्म खून पीकर दिन की शुरुआत करते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार ये लोग ताज़ा जानवरों का मांस खाना पसंद करते हैं जो प्रोटीन और विटामिन से भरपूर होता है। यही कारण है कि इनका स्टेमिना आम लोगों से बहुत ज़्यादा होता है। स्वास्थ्य के लिए लाभ- ये लोग जानवरों के खून को अपने इम्यून सिस्टम के लिए अच्छा मानते हैं। इसके अलावा हैंगओवर या नशे को कम करने के लिए भी इसका इस्तेमाल करते हैं। इनका मुख्य पेशा गायों को पालना है। ये इतने बहादुर होते हैं कि शेर और चीते जैसे जंगली जानवरों से भी लड़ जाते हैं। जानवरों की खाल का इस्तेमाल ये बिस्तर के तौर पर करते हैं। इन जनजातियों की परंपराएं बेहद अलग हैं। यहां की महिलाएं अपने कमर के निचले हिस्से को कपड़े से ढकती हैं जबकि ऊपर का हिस्सा खुला रहता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जब ये महिलाएं अपनी सहेलियों से मिलती हैं तो एक-दूसरे पर थूकती हैं। यह उनके लिए प्यार और सम्मान जताने का एक खास तरीका है। इतना ही नहीं नवजात बच्चों को भी इसी तरह थूककर आशीर्वाद दिया जाता है। इन जनजातियों की जीवनशैली और परंपराएं हमें बताती हैं कि दुनिया के विकास के बावजूद कुछ समुदाय अपनी जड़ों और प्राचीन तरीकों से मजबूती से जुड़े हुए हैं।

न्यूयॉर्क में भारतीय मूल के बुजुर्ग लापता, धार्मिक स्थल की यात्रा पर निकले थे

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
न्यूयॉर्क से पेनसिल्वेनिया जाते समय भारतीय मूल के चार वरिष्ठ नागरिक लापता हो गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, चार वरिष्ठ नागरिकों में डॉ. किशोर दीवान, आशा दीवान, शैलेश दीवान और गीता दीवान शामिल है। पुलिस के मुताबिक उन्हें आखिरी बार 29 जुलाई को पेनसिल्वेनिया में एक बर्गर किंग आउटलेट पर देखा गया था। उनकी आखिरी क्रेडिट कार्ड लेनदेन भी यहीं हुई थी। वे मार्शल काउंटी में पेलेस ऑफ गोल्ड (धार्मिक स्थल) की यात्रा पर थे। उनका मंगलवार रात को पेलेस ऑफ गोल्ड में रुकने का प्लान था। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, ये समूह वहां कभी पहुंचा ही नहीं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रूस के कामचटका में 2 अगस्त को क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी में पहली बार विस्फोट हुआ है। कामचटका क्षेत्र में आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने 3 अगस्त को इसकी जानकारी दी।एजेंसी ने कहा, कामचटका में क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी से राख का रिसाव दर्ज किया गया है। राख का रिसाव 6 हजार मीटर की ऊंचाई पर हुआ, जबकि ज्वालामुखी की ऊंचाई 1856 मीटर थी। इसके चलते क्षेत्र में उड़ान रोक दी गई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका संबंध हाल ही में आए 8.8 तीव्रता भूकंप से हो सकता है। यह घटना बुधवार को क्षेत्र के एक दूसरे ज्वालामुखी क्ल्युचेव्स्कॉय के फटने के बाद हुई। जो यूरोप और एशिया में सबसे अधिक सक्रिय ज्वालामुखी है। ग्लोबल ज्वालामुखी प्रोग्राम के अनुसार, क्ल्युचेव्स्कॉय में विस्फोट होना आम बात है, साल 2000 से अब तक यहां18 बार विस्फोट हो चुका है। वहीं, रविवार को रूस के कुरील द्वीप समूह में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर था। आयरलैंड में नागरिक पर हमले के बाद भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी की, सुनसान इलाकों में जाने से बचने को कहा आयरलैंड में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए सावधानी बरतने और देर रात सुनसान इलाकों में जाने से बचने को कहा है। यह सलाह डबलिन के दक्षिण-पश्चिमी शहर टालाघ्ट में 26 जुलाई को एक भारतीय नागरिक पर हुए हिंसक हमले के बाद आई है।

रूस में फिर भूकंप के तेज झटके, सुनामी का कोई खतरा नहीं

मॉस्को, एजेंसी। रूस के सुदूरवर्ती कुरिल द्वीप समूह में शनिवार को एक बार फिर तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक इस भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता पहले 7.0 मैग्नीट्यूड बताई गई थी, लेकिन बाद में इसे संशोधित कर 6.7 मैग्नीट्यूड किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर गहराई में था, जो इसे काफी उथला भूकंप बनाता है और ऐसे भूकंपों में कंपन अधिक महसूस होता है। पैसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर (क्कञ्जङ्खष्ट) ने भी इस भूकंप की पुष्टि की, लेकिन उसने साफ कर दिया कि इससे किसी भी तरह की सुनामी का खतरा नहीं है। यह खबर सामने आते ही इलाके में रह रहे लोगों ने राहत की सांस ली है क्योंकि कुरिल द्वीप भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियों के लिए पहले से ही कुख्यात हैं। कुरिल द्वीप रूस और जापान के बीच फैला एक द्वीपसमूह है, जो भूकंपीय दृष्टि से बेहद सक्रिय क्षेत्र में आता है। इसे 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा माना जाता है। यह इलाका प्रशांत प्लेट और ओखोत्स्क प्लेट के टकराव क्षेत्र में स्थित है, जहां अक्सर टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल से भूकंप आते रहते हैं। इससे पहले भी अप्रैल और जून में यहां 6 से ऊपर तीव्रता के कई झटके दर्ज किए जा चुके हैं।

जिला अस्पताल की गंदगी, अव्यवस्था एवं विभिन्न मदों से प्रदत्त 9-9 एम्बुलेंस के रजिस्ट्रेशन नहीं होने जैसी प्रशासनिक लापरवाही को लेकर सौंपा ज्ञापन

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल कोंडागांव जिले के दौरे मे हैं। इस दौरान कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने जिला अस्पताल में पसरी गंदगी, अव्यवस्था एवं विभागीय लापरवाही की शिकायत को लेकर एक ज्ञापन के साथ मंत्री से मुलाक़ात किया। मुलाक़ात के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कोंडागांव जिला अस्पताल केवल रिफर सेंटर बनकर रहा गया है। अस्पताल में डॉक्टर्स की कमी है। यहां तक कि पोस्टमार्टम के लिए स्वीपर तक नहीं है। यहां रात के अंधेरे में टॉर्च की रोशनी से डिलवरी कराई जाती है। डीएमएफटी फंड से नियुक्त स्वास्थ्य कर्मचारियों का वेतन 4, 5 महीनों से पेंडिंग है, वहीं कांग्रेस सरकार के दौरान मोहन मरकाम के विधायक निधि से 32 लाख रुपए का सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस सहित विभिन्न मदों से प्रदत्त 9-9 एम्बुलेंस वाहन स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय में धूल खा रहे हैं, रजिस्ट्रेशन तक नहीं करा पाई स्वास्थ्य विभाग जिसके चलते जनता को इसका लाभ आज तक नहीं मिल पा रहा है। दोषी अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही के साथ कार्यालय में खड़ी एम्बुलेंस को जनता को समर्पित करने का निवेदन किया गया। ज्ञात हो कि एक दिन पूर्व ही पूर्व मंत्री मोहन मरकाम द्वारा स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था को लेकर प्रेसवार्ता आयोजित कर सरकार एवं स्थानीय प्रशासन को आड़े हांथों लेकर जमकर कोसा था वहीं मंत्री से मुलाकात कर कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा विभाग के विरुद्ध ही लिखित शिकायत करना कहीं न कहीं जनता से जुड़े मुददे को कांग्रेस अब भुनाने के मुंड मे नजर आ रही है। वास्तव मे बात जायज भी है, क्योंकि चाहे कोई भी सरकार हो अगर जनहित मे एम्बुलेंस सेवा जनता के लिए दिया है तो उसका लाभ जनता को मिलना चाहिए प्रशासनिक लापरवाही के चलते जनता को लाभ न मिल पाना गलत है। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कांग्रेस नेताओं को दोषी अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन देते कहा एम्बुलेंस सुविधा को भी सुचारु रूप से शुरू कराएंगे। अब देखना होगा कि विभागीय मंत्री कितने दिनों मे खड़ी एम्बुलेंस को सड़क पर दौड़ाते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का कोंडागांव पहुंचने पर आत्मीय स्वागत

कोंडागांव। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा तथा बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कोंडागांव पहुंचने पर स्थानीय सर्किट हाउस में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने हार्दिक स्वागत किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड के दीपक महस्के, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया भी मौजूद रहे। मंत्री जायसवाल का जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष नरपति पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी स्वागत किया।

स्कूली बच्चों में मानसिक तनाव: आयुर्विद्या के तहत जागरूकता व्याख्यान, आयुष विभाग नारायणपुर का आयोजन

नारायणपुर। राष्ट्रीय आयुष मिशन द्वारा संचालित, संचालनालय आयुष विभाग रायपुर के आदेशानुसार अयुर्विद्या कार्यक्रम के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर में आयुष विभाग द्वारा स्कूली बच्चों में मानसिक तनाव विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। पढ़ाई, करियर और सामाजिक दबाव विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी स्कूल के बच्चों को देने से उन्हें अपने मानसिक स्वास्थ्य को समझने और बनाए रखने में मदद मिल सकती है। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ बीना खोबरागड़े ने बताया कि विद्यार्थियों के तनाव का कारण पढ़ाई का दबाव, प्रतिस्पर्धा, सामाजिक दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, अनियमित दिनचर्या, पोषण की कमी हो सकती है। तनाव के कारण बच्चों में लगातार भूलने की आदत, चिड़चिड़ापन, उदास रहना, थकान, सरदर्द, नींद की कमी जैसे लक्षण बने रहने से ध्यान देने की जरूरत है। विद्यार्थियों को तनाव से बचने के लिए सुबह जल्दी उठना चाहिए, नियमित नींद लें, ध्यान और योग मानसिक तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। वर्तमान में डिजिटल डिटॉक्स बहुत जरूरी है, सोने के एक घंटा पहले मोबाइल बंद कर दें। योग चिकित्सक डॉ यमन साहू योग के संबंध में जानकारी देते हुए बच्चों को अष्टांग योग के बारे में बताया। साथ ही भ्रमरी, अनुलोम-विलोम के बारे में जानकारी दी। प्रधानाचार्य ए.के. स्वर्णकार ने बच्चों से कहा कि तनाव जीवन का हिस्सा है, लेकिन इसे प्रबंधित किया जा सकता है। सकारात्मक तनाव आपको आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है, वहीं नकारात्मक तनाव हमें जीवन में आगे नहीं बढ़ने देती। लगातार उदास या चिंतित रहते हैं तो किसी चिकित्सक या काउंसलर से जरूर संपर्क करना चाहिए। कार्यक्रम में मनीष कुमार पांडे, चंद्रकला लहरे, गरिमा कुमार, शैलेश नेताम एवं अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कालाबाजारी पर कृषि विभाग ने कसा नकेल, कोरर निजी कृषि केंद्र पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

कांकेर। कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार तथा उप संचालक कृषि जितेंद्र कोमरा के मार्गदर्शन में खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने जिला स्तर पर टीम गठित की गई है। इसी क्रम में भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के कोरर के निजी कृषि दुकानों में छापेमारी की बड़ी कार्यवाही कर कालाबाजारी पर नकेल कसा गया। सहायक संचालक कृषि सुधीर ददोरिया और गुंजन सिंग भदौरिया के नेतृत्व में खाद बीज निरीक्षक अमिनेश गावड़े, कृषि अधिकारी किरण भंडारी, प्रवीण कवाची, आशीष साहू ने कोरर में संचालित निजी कृषि केंद्रों में दबिश दी। इस दौरान दुकानों में लगे पीओएस मशीनों और स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें जांच में गड़बड़ियां पाई गई। कृषि विकास अधिकारी भानुप्रतापपुर ने बताया कि किसानों को कोरर क्षेत्र के निजी कृषि केंद्र पर दो से तीन गुना अधिक कीमत पर रासायनिक खाद बिक्री करने की शिकायत दूरभाष के माध्यम से की गई थी। इस पर कृषि विभाग की टीम ने कार्यवाही करते हुए कोरर बाजार दिवस के दिन निजी कृषि सेवा केंद्र विजय ट्रेंड्स खाद गोदाम का निरीक्षण किया। गोदाम में मौजूदा स्टॉक में दो सौ बोरी यूरिया खाद उपलब्ध पाया गया। किसानों ने शिकायत थी कि एक बोरी यूरिया पांच से छै सौ रुपए में बेचा जा रहा है, जिस पर कृषि विभाग द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए खाद खरीदने आए किसानों को शासन द्वारा निर्धारत दर में यूरिया 266 रुपए पचास पैसा, डीएपी 1350 रुपए, पोटाश 1535 रुपए और एसएसपी राखड़ खाद 495 रुपए की दर से किसानों को उपलब्ध कराई गई। खाद खरीदने आए 27 किसानों को 79 बोरी यूरिया खाद शासकीय दर 266 रुपए पचास पैसा के दर से दिलवाई गई। कृषि विभाग द्वारा कार्यवाही कर निजी कृषि दुकान संचालकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि किसानों के साथ लूट और काला बाजारी, जमाखोरी बर्दास्त नहीं की जाएगी। किसानों को समझाईश दिया गया कि निजी कृषि दुकान संचालकों द्वारा अधिक दर पर रासायनिक खाद बेचे जाने पर कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्काल सूचना दिया, ताकि अविलंब कार्यवाही की जा सके।

शहरी क्षेत्रों में स्कूलों के आसपास तम्बाकू उत्पाद बेचने वालों पर सख्ती से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें सभी एसडीएम: कलेक्टर क्षीरसागर

सार्वजनिक स्थलों और कार्यालयों में धूम्रपान करने वालों पर लगेगा जुर्माना

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्कूलों व सार्वजनिक स्थलों के आसपास ठेले, गुमटियों में तम्बाकू और उससे निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पाद बेचे जाने की शिकायतें अक्सर मिलती हैं। बच्चों को किसी प्रकार के नशे की लत ना पड़े, इसलिए सभी अनुविभागीय अधिकारी कोटपा एक्ट के तहत सख्ती से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें। कलेक्टर द्वारा जिले में नशे के विरुद्ध अभियान चलाते हुए सतत् चालानी कार्यवाही करने, जिले के सभी कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों को तम्बाकू मुक्त किये जाने के साथ-साथ यथाशीघ्र जिले को धूम्रपान मुक्त किये जाने के निर्देश दिए गए। पुलिस विभाग की समीक्षा बैठक में कोटपा 2003 के विषय को भी शामिल करने तथा जिले के समस्त कार्यालयों में तम्बाकू नियंत्रण के लिए नोडल अधिकारी के नामांकित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला सलाहकार डॉ. विनोद वैध द्वारा तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में की जा रही गतिविधियों के सम्बंध में अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.सी. ठाकुर द्वारा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, कोटपा एक्ट 2003, कोटपा छ.ग. संशोधन अधिनियम 2021, धूम्रपान मुक्त नीतियों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जिला स्तर के सभी अधिकारीगण उपस्थित थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने नशा मुक्ति केंद्र को देखा नारियल विकास बोर्ड एवं गारमेंट फैक्ट्री का किया भ्रमण

कोंडागांव। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कोंडागांव जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान जिले के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया। उन्होंने शबरी एंपोरियम पहुंचकर बेलमेटल की विभिन्न कलाकृतियों का अवलोकन किया। उन्होंने शिल्पकारों के कलाकृतियों की सराहना की। इसके पश्चात प्रसिद्ध शिल्पकार डॉ. जयदेव बघेल के घर पहुंचकर बेलमेटल बनाने की प्रक्रिया से रूबरू हुए, इसके साथ ही नशा मुक्ति केंद्र भ्रमण किया। कोंडागांव से लगे ग्राम बनियागांव में संचालित नशा मुक्ति केंद्र केंद्र को देखने महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री पहुंची। इस दौरान कार्यालय में 10 हितग्राही समेत पूरे कर्मचारी उपस्थित पाए गए जिनसे कार्यालय को स्थिति की जानकारी ली गई। अधिकारियों द्वारा खुशी जाहिर करते हुए देश को नशा के विरुद्ध प्रेरित करने की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक पीएस एल्मा, अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर, एसडीएम अजय उरांव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

किरन्दुल एनएमडीसी परियोजना में सीएंडआईटी में डाटा सेंटर का उदघाटन

किरन्दुल। एनएमडीसी की किरंदुल कॉम्प्लेक्स परियोजना के नवनिर्मित सीएंडआईटी भवन में डाटा सेंटर का उदघाटन रवीन्द्र नारायण अधिशासी निदेशक ने फीता काटकर किया।वर्तमान डिजिटल युग में परियोजना की यह एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल हैं। डिजिटल परिवर्तन एक व्यावसायिक यात्रा है-एक डिजिटल सेवा एक व्यावसायिक संरचना है जो, ऐप डिलीवरी, सुरक्षा, डेटा और सेवा-स्तरीय उददेश्यों से बनी होती है जो संचालन का मार्गदर्शन करती है। जिम्मेदार तकनीकी घटकों की निगरानी और स्वचालित रूप से समायोजन करने की क्षमता प्रदान करते हैं। उदघाटन के अवसर पर के.पी.सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), सुब्रमण्यन, महाप्रबंधक (विद्युत), एसके कोचर, महाप्रबंधक, पीबी एंटोनी महाप्रबंधक (सामग्री), के.एल.नागवेणी, उप महाप्रबंधक (एच आर), एस.चिकाटे उप महाप्रबंधक (सीएंडआईटी), राजेश संधू, विनोद कश्यप, ए.के.सिंह सहित सी एडं आईटी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कांग्रेस नेताओं ने मनाई बस्तर टाइगर शहीद महेंद्र कर्मा जयंती

कोंडागांव। कोंडागांव कांग्रेस भवन मे बस्तर टाइगर शहीद महेंद्र कर्मा की जयंती 4 अगस्त के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जहाँ पर कांग्रेस पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने छायाचित्र पर फूलमाला अर्पित कर मौजूद जनों के बीच कर्मा के जीवनी को साझा किया। श्रद्धांजलि सभा के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष झुमुकलाल दीवान, प्रभारी महामंत्री रितेश पटेल, जे पी यादव, शहर अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन, सकुर खान, ब्लॉक अध्यक्ष संजय करन, तबस्सुम बानो, उमर मेमन, सुनील रैकवार, रितेश गोयल, किशोर ध्रुव, सनी चोपड़ा, रवींद्र दीवान, बुधराम मरकाम, गीतेश बघेल सहित कांग्रेस जन मौजूद रहे।

माओवादियों के द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी ब्लास्ट होने से एक ग्रामीण हुआ गंभीर रूप से घायल

बीजापुर। थाना उसूर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पुजारीकांकेर स्कूलपारा निवासी कलमू गंगा पिता कलमू देवा, उम्र 50 वर्ष जंगल की ओर पशु चराने गया था। इस दौरान पुजारीकांकेर के जंगल-पहाड़ क्षेत्र में माओवादियों द्वारा पूर्व से लगाये गये प्रेशर आईईडी विस्फोट में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रेशर आईईडी विस्फोट के कारण घायल ग्रामीण के पैर के तलवे में गंभीर चोटें आई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कैम्प पुजारीकांकेर द्वारा त्वरित रूप से घायल ग्रामीण को प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया एवं तत्पश्चात बेहतर उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उसूर भेजा गया। आये दिन हो रहे घटनाओ को देखते हुए पुलिस विभाग ने आमजन से अपील की है कि जंगल एवं संवेदनशील क्षेत्रों में आवागमन के दौरान अत्यधिक सतर्कता बरतें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु, व्यक्ति या गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल निकटतम पुलिस थाना या सुरक्षा बल कैम्प को सूचित करें।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कोंडागांव व फरसगांव में चिकित्सालयों का किया निरीक्षण

कोंडागांव। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा एवं बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को कोंडागांव जिले के प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय कोंडागांव एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसगांव का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने मरीजों से बातचीत कर हालचाल जाना और वहां मिल रही चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी ली। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों का बेहतर ईलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष दीपक महस्के, बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक लता उसेंडी, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया और कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना भी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला चिकित्सालय में आपातकालीन चिकित्सा कक्ष, मेजर ओटी वार्ड, सर्जिकल वार्ड सहित विभिन्न वार्डो का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं, दवाइयों की उपलब्धता, साफ-सफाई, मरीजों को मिलने वाले भोजन, मेडिकल स्टाफ सहित अन्य आवश्यक जानकारी ली। जिला अस्पताल में चल रहे मरम्मत कार्य के प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्होंने सीजीएमएससी के अधिकारियों से एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय में मरीजों की संख्या को देखते हुए बेड की संख्या बढ़ाने और नये ऑपरेशन थिऐटर निर्माण कराने की बात कही। इसके पश्चात उन्होंने मातृ शिशु चिकित्सालय में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के सोनोग्राफी कक्ष में पहुंचकर कार्य के बारे में जानकारी ली और व्यवस्थित सोनोग्राफी कार्य के लिए आवश्यक व्यवस्था हेतु निर्देशित किया। साथ ही चिकित्सालय में स्टॉफ की कमी को दूर करने के लिए जिला स्तर पर हो सकने वाले भर्ती को शीघ्र करने हेतु निर्देशित किया और बाकी पदों का राज्य स्तर पर भर्ती की बात कही।

तल्ख अंदाज में कहा-बार-बार समीक्षा के बाद भी कार्य पूर्ण नहीं हुआ तो रोका जाएगा वेतन

जनपद पंचायत स्तर के लंबित निर्माण कार्यों को लेकर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

कांकेर। समय-सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने जिले की सभी जनपद पंचायतों में विभिन्न पुराने लंबित निर्माण कार्यों के संबंध में नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि या तो ये छोटे-मोटे कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करें, या फिर पूर्ण नहीं कर पाने की स्थिति में संबंधित विभाग को राशि वापस लौटा दें। उन्होंने तल्ख अंदाज में कहा कि प्रत्येक सप्ताह समीक्षा करने के बाद भी इन लंबित कार्यों में प्रगति नहीं आ रही है। ऐसे में संबंधित जनपद पंचायत के सीईओ का वेतन रोकने की कार्यवाही सख्ती से की जाएगी। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों में आंगनबाड़ी एवं पीडीएस सेंटर भवन निर्माण सहित ग्राम पंचायतों में बनाए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी जनपद सीईओ को उक्ताशय के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को जेम पोर्टल के माध्यम से ही सभी प्रकार का क्रय नियमानुसार पूरी सतर्कता के साथ करने के लिए निर्देशित किया। इसमें किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही वित्तीय नियमों के उल्लंघन के श्रेणी में आएगी, अतः सभी अधिकारी शासकीय निर्माण कार्यों से संबंधित सामग्री एवं अन्य उपकरणों का क्रय गंभीरता से करें। बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को कहा कि ई-ऑफिस के माध्यम से ही सभी प्रकार की फाइलों एवं नस्तियों को मूव करें। उन्होंने अधीनस्थ कार्यालयों में भी ई-ऑफिस के माध्यम से सभी प्रकार के विभागीय दैनिक गतिविधियों का क्रियान्वयन करने हेतु निर्देशित किया। इसी तरह प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए इसके लाभ से आम जनता को अवगत कराने के निर्देश कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग को दिए। कांकेर जिले को संपूर्णता अभियान के तहत आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक हेतु उत्कृष्ट कार्य के लिए रायपुर में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कलेक्टर की ओर से जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने सम्मान ग्रहण किया था। आज आयोजित टीएल बैठक की शुरूआत में उक्त सम्मान को सीईओ ने कलेक्टर को भेंट किया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विभागों ने पूरी शिददत के साथ मेहनत व लगन से बेहतर कार्य किया, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने आगे भी शासन की योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन करने के लिए सभी अधिकारियों को प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि राज्य के आकांक्षी जिलों और आकांक्षी विकासखंडों में तीन महीनों तक संचालित संपूर्णता अभियान में निर्धारित संकेतकों को संतृप्त करने और लक्ष्यों को हासिल करने वाले जिलों और विकासखंडों को पुरस्कार प्रदान किए गए। संपूर्णता अभियान में कांकेर जिले को रजत पदक प्राप्त हुआ तथा आकांक्षी विकासखण्ड की श्रेणी में कोयलीबेड़ा ब्लॉक को स्वर्ण और दुर्गूकोंदल ब्लॉक को रजत पदक प्राप्त हुआ। बैठक में कलेक्टर ने विभागवार लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने एलडब्ल्यूई सर्वे, नियद नेल्लानार योजना, ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, सामाजिक अंकेक्षण, आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पोषण पुनर्वास केन्द्र सहित विभिन्न प्रकरणों की विभागवार एवं योजनावार प्रगति की समीक्षा की।

बस्तर विकास प्राधिकरण के कार्यों की हुई समीक्षा

समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर क्षीरसागर ने बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत लंबित निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने वर्ष 2020-21 से लंबित निर्माण कार्यों को लेकर असंतोष जाहिर करते हुए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही पुराने कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा कराने और देवगुड़ी, घोटुल भवन, सामुदायिक भवन जैसे छोटे कार्यों को अविलंब निर्माण कराने सभी जनपद सीईओ को निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विशेष केन्द्रीय सहायता मद अंतर्गत लंबित कार्यों की भी कार्यवार समीक्षा की। इस अवसर पर डीएफओ हेमचंद पहारे, अग्रवाल, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे एवं ए.एस. पैकरा सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी तथा जिला स्तर के अधिकारीगण मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा को लेकर चलाया जा रहा ‘बने खाबो - बने रहिबो’ जागरूकता अभियान

कोंडागांव।। राज्य शासन के निर्देशानुसार वर्षा ऋतु के दौरान खाद्य जनित बीमारियों एवं संक्रमण की रोकथाम के उददेश्य से व्यापक स्तर पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा बने खाबो - बने रहिबो नाम से विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उददेश्य आम जनता को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना और उनमें जागरूकता फैलाना है। यह अभियान राज्य के समस्त जिलों में 04 से 06 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले के स्ट्रीट फूड वेंडर्स, होटल, रेस्टोरेंट एवं अन्य प्रतिष्ठानों का सघन जांच की जा रही है। इस दौरान चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से मौके पर ही खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। इसके साथ ही दुकानदारों और आम लोगों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के नियमों, अखबारी कागज के उपयोग से होने वाले नुकसान, बासी खाद्य सामग्री का उपयोग न करने, पीने के पानी की जांच, एक ही तेल को बार बार गर्म कर उपयोग करने से होने वाले नुकसान, फूड हैंडलर्स की स्वच्छता का महत्व आदि के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया जाएगा। इस अभियान के तहत कोण्डागांव में सोमवार होटल, मिठाई दुकान और स्ट्रीट फूड वेंडर्स के 14 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया और 54 खाद्य सामाग्रियों की मौके पर जांच की गई। इसके अलावा मारवाड़ी भोजनालय से राहर दाल और गुलाबी चना का नमूना लिया गया। इसी प्रकार सुनीता होटल से पेड़ा और बेसन लड्डू का नमूना लिया गया तथा न्यू संजय स्वीट्स से खोवा का नमूना लिया गया, जिन्हें गुणवत्ता जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। खाद्य कारोबार कर्ताओं और आम लोगों को वर्षा ऋतु के समय खाद्य की सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई और त्यौहार के पहले विशेष सावधानी बरतने के लिए निर्देशित किया गया।

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना. डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

महापौर व आयुक्त का इंदिरा मार्केट का औचक निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने सुधार के निर्देश

■ महापौर व आयुक्त ने इंदिरा मार्केट स्थित प्रतिमा स्थल और आस-पास चूना मार्किंग से होगी दुकानों की सीमा तय

भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था सुधार और अतिक्रमण पर सख्त निर्देश

दुर्ग। त्योहारी सीजन में इंदिरा मार्केट क्षेत्र में बढ़ने वाली भीड़ और यातायात अव्यवस्था से निपटने के लिए नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल ने आज सुबह इंदिरा मार्केट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर और आयुक्त ने बाजार व्यवस्था, सड़क की चौड़ाई, अतिक्रमण की स्थिति और यातायात मार्ग का बारीकी से जायजा लिया।

चूना मार्किंग से होगी दुकानों की सीमा तय-निरीक्षण के दौरान महापौर व आयुक्त ने इंदिरा मार्केट स्थित प्रतिमा स्थल और आसपास के क्षेत्र में दुकानों की सीमा तय करने के लिए चुना मार्किंग कराने के निर्देश दिए। महापौर ने स्पष्ट कहा कि कोई भी दुकानदार सड़क क्षेत्र से आगे दुकान नहीं लगाएगा। यदि किसी ने तय सीमा से बाहर दुकान लगाई, तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा और दुकान को तत्काल हटाया जाएगा।

राखी दुकानों के पंडाल पर नाराज़गी-महापौर ने निरीक्षण के दौरान सड़क घेरकर लगाए गए बड़े-बड़े पंडालों में राखी की दुकानें देखकर नाराज़गी जताई। उन्होंने बाजार विभाग को निर्देश दिया कि दुकानदार छोटे आकार के पंडाल लगाएं और सड़क का पर्याप्त हिस्सा यातायात के लिए खाली छोड़ें। साथ ही, पसरा लगाने वालों के लिए अलग से मार्किंग की व्यवस्था करने को कहा, ताकि भीड़भाड़ कम हो और यातायात सुचारू रहे।

अतिक्रमण हटाने की सख्त कार्रवाई-निरीक्षण के दौरान पचरी पारा जाने वाली गली के पास अवैध रूप से बनाए गए चबूतरे को मौके पर जेसीबी मशीन से तोड़वाकर हटवाया गया।महापौर और आयुक्त ने चेतावनी दी कि बाजार क्षेत्र में किसी भी प्रकार का नया अतिक्रमण सहन नहीं किया जाएगा।

त्योहारों में यातायात व्यवस्था को प्राथमिकता-महापौर बाघमार और आयुक्त अग्रवाल ने कहा कि त्योहारी सीजन में इंदिरा मार्केट और प्रतिमा स्थल क्षेत्र में भीड़भाड़ को नियंत्रित करना और यातायात को सुचारू रखना प्राथमिकता है। उन्होंने दुकानदारों और नागरिकों से अपील की कि वे यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें और सड़क क्षेत्र में दुकानें आगे बढ़ाकर न लगाएं।

निरीक्षण दल में कई अधिकारी रहे मौजूद-इस निरीक्षण और कार्रवाई में एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलेश अग्रवाल, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, उपभियंता ठाकुर, कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद, ईश्वर वर्मा, गौतम साहू सहित निगम का अमला मौजूद रहा।

32 लाख परिवारों को फायदा, कुछ पर बिजली का बोझ बढ़ सकता है: रमन सिंह

राजनांदगांव दौरे पर रहे विधानसभा अध्यक्ष और प्रभारी मंत्री, समीक्षा बैठक ली

राजनांदगांव। जिले में चल रही योजनाओं और विभागीय कामकाम की समीक्षा बैठक विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने ली। उन्होंने विभागवार कार्यो की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान विस अध्यक्ष डॉ. सिंह ने पत्रकारों से भी चर्चा की। छग में बिजली बिल का लोड परिवारों पर बढ़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में 32 लाख परिवार ऐसे हैं जो 100 यूनिट तक बिजली की खपत करते हैं, उन्हें फायदा मिलेगा। वहीं कुछ बीपीएल परिवार है, जिन्हें बिजली फ्री भी मिलती है। इसके बाद कुछ परिवार शेष है, जो 300-400 यूनिट बिजली का उपभोग करते है उन पर थोड़ा बोझ बढ़ेगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि कई विकास काम राजनांदगांव जिले को मिले हैं, जिस पर काम हो रहा है और आगे होगा। खासकर उन्होंने शहर के हर हिस्से में सीसीटीवी कैमरे लगाने के काम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे हर एरिया सुरक्षित हो जाएगा, आपराधिक मामलों में भी इसकी मदद मिलेगी।राजनांदगांव दौरे पर आए विस अध्यक्ष डॉ. सिंह पहले अपने हाउस पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान आम लोग भी अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर पहुंचे। डॉ सिंह ने संगठन पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से भी चर्चा कर स्थिति को जाना। शहर में चल रहे विकास कार्यो को लेकर भी उनसे बात की।

फ्लाईओवर के नीचे सौंदर्यीकरण पर कही बात

डॉ. सिंह ने कहा कि शहर में सौंदर्यीकरण को लेकर भी काम किया जाना है। उन्होंने फ्लाईओवर के नीचे की जगह पर सौंदर्यीकरण करने की बात कही। इसके लिए चर्चा की जाएगी और जो बेहतर होगा, उस दिखा में काम किया जाएगा।

दुर्ग में नवीन पाठ्य पुस्तक आधारित विभिन्न विषयों के लिए शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

शक्षकों का 'बीआरपी' प्रशिक्षण पूरा, अब ब्लॉक स्तर पर होगी पहल

दुर्ग। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) दुर्ग में गणित, इंग्लिश, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, विज्ञान और संस्कृत सहित सभी छह विषयों में ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरपी) बनने प्रशिक्षण एक अगस्त को सम्पन्न हुआ। संचालक राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद रायपुर के आदेशानुसार डाइट दुर्ग की प्राचार्य मधुलिका तिवारी कुशल मार्गदर्शन में हुए इस प्रशिक्षण के उपरांत अब आने वाले दिनों में कक्षा 6 के नवीन पाठ्य पुस्तक पर आधारित ब्लॉक स्तर पर सभी शिक्षकों के लिए चरण वार प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण सभी शिक्षकों के लिए आवश्यक है क्योंकि नई शिक्षा नीति (एनईपी) में पद्धति के साथ साथ विषयों में भी संशोधन किए गए हैं, इसलिए एनईपी-2020 के अंतर्गत किए गए परिवर्तन को जानना जरूरी है। मास्टर ट्रेनर्स पीलू राम साहू और उनके साथियों ने योग शिक्षा के विभिन्न आसनों से होने वाले शारीरिक लाभ एवं आसनों के बारे बताया साथ ही सभी शिक्षकों को योग आसनों का अभ्यास भी कराया। राजेश चंद्रवाशी एवं दिव्या वर्मा ने सभी ब्लॉक रिसोर्स पर्सन को व्यावसायिक शिक्षा डेयरी फार्म व हॉर्टिकल्चर के बारे बताया, वही डॉ वंदना सिंह ने पाठ्यक्रम, पाठ्यवस्तु विषय सामग्री नेशनल करिकुलम फ्रेम (एनसीएफ) व स्टेट करिकुलम फ्रेम (एससीएफ) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सभी मास्टर ट्रेनर्स एवं विषय समन्वयकों देवकी वेद डड़सेना, सुषमा, देवकी, महिपाल, प्रज्ञा शर्मा, संजय मैथिल, गोपाल दुबे, संदीप शुक्ला, पुरुषोत्तम साहू और रेवाराम साहू ने एससीईआरटी. रायपुर द्वारा निर्धारित ट्रेनिंग मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस के समापन अवसर पर अपोलो कॉलेज के संचालक संजय अग्रवाल, प्राचार्य सिद्धार्थ जैन, जिला मिशन समन्वयक सुरेन्द्र पाण्डे और अनुराग त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सावन महोत्सव बोल बम सेवा समिति ने मनाया रजत जयंती वर्ष

कुरूद। लगातार 25 बरसों से समिति के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य करने वाले 165 सदस्यों और पदाधिकारियों, सहयोगियों, अतिथियों को संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अधिवक्ता संघ के संरक्षक एवं क्षेत्र के धर्म प्रेमी मा. एल.पी.गोस्वामी जी ने कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश जी भगवान, अराध्य देव भोलेनाथ जी के चरणों में पुजा अर्चना कर किये पश्चात अतिथियों में अध्यक्षता कर रही ज्योति भानु चन्द्राकर अध्यक्ष नगर पंचायत कुरूद, विशिष्ट अतिथिगण गितेश्वरी साहु जनपद अध्यक्ष कुरूद, बीरेन्द्र साहु जनपद अध्यक्ष मगरलोड, रजत चन्द्राकर वार्ड पार्षद कुरूद, पूर्णिमा साहु पूर्व जनपद अध्यक्ष कुरूद, लोकेश्वर सिन्हा मानस संघ पदाधिकारी, आशीष शर्मा ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष, भोजराज चन्द्राकर भाजपा नगर संयोजक, हितेन्द्र केला अध्यक्ष राइस मिल एसोसिएशन कुरूद, मालकराम साहु संरक्षक हनुमान सेवा समिति, महावीर गुप्ता धर्म प्रेमी एवं संरक्षक ट्रेवल एजेन्सी धमतरी जिला, चन्द्रशेखर चन्द्राकर धर्म प्रेमी-किसान नेता कुरूद, सुभाष अग्रवाल संरक्षक बोल बम सेवा समिति, भानु चन्द्राकर अध्यक्ष बोल बम सेवा समिति के गरिमामयी आतिथ्य में संपन्न हुआ। आशीर्वचन के रूप मे स्वागत भाषण करते बोल बम सेवा समिति के अध्यक्ष भानु चन्द्राकर ने कहा 25 बरसों के लम्बे सफर में हमारे हज़ारों साथी जो नेपथ्य में रहकर मेरे साथ और हमारे संस्था के हर कार्यों के सभी समाजिक धार्मिक कार्यों में अपना अमूल्य योगदान दिये उसके लिए मैं आप सबका प्रणाम करता हूँ, कुरूद क्षेत्र में आयोजनों के भागीरथी मा. अजय चन्द्राकर जी का भी इस मंच से कृतज्ञता व्यक्त करते है, इस मंच से हमारे नगर-क्षेत्र के युवा साथियों और छोटे छोटे बच्चों को भी नशापान से दूर रहने का आह्वान किया। ताकि भविष्य में भगवान भोलेनाथ के इन कार्यों को आप लोग आगे बढ़ा सके, कुरूद क्षेत्र में समाजिक-धार्मिक कार्य करने वाले संगठनो, मिडिया के साथियों और दोनों मुख्य राजनितिक दलों के कार्यकर्ताओं-नेताओं के सहयोग के लिये समिति द्वारा आभार व्यक्त किया गया, अध्यक्षता कर रही नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति चन्द्राकर ने नगरवासियों, क्षेत्रवासियों, समस्त शिव भक्तों को सावन महोत्सव का बधाई दिये।

विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम चरोदा भिलाई-3 में हुआ आयोजन

शिशु को स्तनपान कराने प्रसूता का जागरूक होना जरूरी: डॉ. दानी

भिलाई। विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत एक अगस्त से सात अगस्त तक विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों और आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम चरोदा भिलाई-3 में आयोजित कार्यक्रम में शिशु को स्तनपान कराने प्रसूता को जागरूक करने पर बल दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज दानी ने कहा कि शिशु का माता से लगाव उसकी गोद में रहने से होता है। उन्होंने कहा कि दूध पिलाने की सही विधि की जानकारी प्रसूता को मालूम होना चाहिए। इसके लिए प्रसूता को जागरूक होना जरूरी है। डॉ शिखर अग्रवाल ने कहा कि दूध पिलाने की सही जानकारी नहीं होने से अधिकांश शिशुओं की मृत्यु फेड़ों और सांस नली में दूध चले जाने से होती है। स्तनपान सप्ताह के जरिए हर उस पहलू ओर आवश्यक चीजें मां को बताकर जागरूक करके उनके कुपोषण से बचाने और शिशुओं की मृत्यु दर कम करना है। खंड विस्तार एवं प्रशिक्षक स्वास्थ्य अधिकारी (बीईईटीओ) सैय्यद असलम ने बताया कि मां का दूध अमृत समान होता है प्रसव के बाद अधिकांश जगह इस प्रथम दूध को बच्चे को मां नहीं पिलाती है जिसमें सभी पोषक तत्व और कुदरती तौर से प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने वाली तत्व मौजूद होते हैं। इस अवसर पर ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजिका देविला चंद्राकर और उषा वर्मा ने शिशुओं को पकड़ने की स्थिति और डकार दिलाने की विधि, कंगारू केयर विधि जिसमे शिशुओं का शारीरिक तापमान संतुलन में रहे के बारे में एक प्रेजेंटेशन में बताया। महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर आभा साहू ने बताया कि शिशुओं को सुपोषित रखने, कुपोषण के लक्षण और इसके खतरों के प्रति भी मां को जागरूक किया गया है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की मती आर विश्वास, मती पी स्वामी, महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर इन्दु कोसले, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कार्यकर्ता सीमा जंघेल, लीलावती विश्वकर्मा, ममता देशमुख, निर्मला कुर्रे, नंदिनी साहू, मोनिका बंजारे और चित्रा वर्मा सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित रहे।

चर्म रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति व कैथ लैब के लिए लगाई गुहार, ग्राम गोंडपेंड्री में जल निकासी बाधित, गांव में जलभराव से बीमारियों का खतरा, जनदर्शन में 105 आवेदन प्राप्त हुए

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 105 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन कार्यक्रम में ग्राम सभा नंदकठी एवं ग्रामवासियों ने बताया कि गांव की शासकीय चारागाह भूमि पर कुछ किसानों द्वारा धान और सब्जी की फसल बोई जा रही है, जिससे मवेशियों के लिए चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है। चरवाहों ने पशुओं को चराने से इनकार कर दिया है, जिसके चलते मवेशी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्राम सभा में इस संबंध में बात रखी गई, जिसके उपरांत कुछ किसानों ने कब्जा हटाया, लेकिन अभी भी कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण जारी है। ग्रामवासियों ने अतिक्रमण हटाकर चारागाह भूमि को मुक्त कराने की मांग की है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दुर्ग निवासी ने जिला चिकित्सालय में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति करने व कैथ लैब की व्यवस्था के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति नही होने से एवं कैथ लैब के अभाव में मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। त्वचा संबंधी रोगों से पीड़ित लोगों को निजी क्लीनिकों में जाना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इसी तरह ग्राम गोंडपेंड्री के किसानों एवं ग्रामवासियों ने जल निकासी रास्ता बंद किए जाने की शिकायत की। ग्राम गोंडपेंड्री (तहसील पाटन) के किसानों ने बताया कि खदान मालिक द्वारा जल निकासी का रास्ता बंद कर दिए जाने के कारण लगभग 70 एकड़ कृषि भूमि पर फसले बर्बाद होने की स्थिति में हैं। जल निकासी रास्ता बंद करने से गांव की बस्ती में पानी भरने से मौसमी बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर ने एसडीएम और तहसील पाटन को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इस दौरान नगर निगम दुर्ग, रिसाली, भिलाई, खाद्य विभाग, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान मिली शिकायतें, एक्शन में महापौर मधूसूदन

गंदे पानी की सप्लाई, महापौर पहुंचे मोहारा प्लांट, दिए निर्देश

राजनांदगांव। शहर में गंदे की सप्लाई को लेकर शिकायतें आने पर महापौर मधुसूदन यादव मोहारा स्थित फिल्टर प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचे। इससे पहले उन्होंने वर्धमान नगर में साफ-सफाई देख अटल परिसर निर्माण कार्य का जायजा लेकर कार्य मे तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 17 एमएलडी प्लांट की सफाई करने तथा एलम, ब्लोरिन की पर्याप्त भण्डारण रखने के निर्देश दिए। महापौर यादव वार्ड भ्रमण में वर्धमान नगर में साफ-सफाई देख निर्माणाधीन अटल परिसर का जायजा लेकर कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उप अभियंता ने बताया कि प्रतिमा के लिए पेडेस्टल, बाउण्ड्रीवाल का निर्माण किया गया है। फ्लोर टाईल्स एवं अन्य कार्य प्रगति पर है। महापौर ने ग्रेनाईट व टाईल्स लगाने के कार्य में तेजी लाकर गेट निर्माण व विद्युतिकरण करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण में तेजी लावे इसके लिए मेन पावर बढ़ावे, कार्य की प्रतिदिन मानिटरिंग करे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने आकस्मिक रूप से जल संयंत्रगृह मोहारा पहुंचकर प्लांट का निरीक्षण कर वर्तमान व्यवस्था के संबंध में निगम के अधिकारियों से जानकारी लिए। उन्होने कहा कि शहर के कुछ क्षेत्रो में गंदा पानी आने की शिकायत प्राप्त हो रही है, ज्यादातर 17 एमएलडी प्लांट से सप्लाई क्षेत्रो से शिकायत मिल रही है, जिसे ध्यान मे रख उक्त प्लांट की सफाई कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। मशीनों में छोटी-मोटी खराबी आने पर उसका तुरंत मरम्मत किया जाए। बाढ जैसी स्थिति निर्मित होने पर सभी कर्मचारियों को अलर्ट रहने कहा गया। उन्होंने कहा कि जल संयंत्रगृह में आवश्यक सामग्री फिटकरी, ब्लीचिंग, क्लोरिन गैस का पर्याप्त भंडारण रखे, इसके अलावा आवश्यक उपकरण भी रखना सुनिश्चित करे, इंटकवेल में कचरा फसने पर उसे तत्काल निकाले, जिससे पेयजल आपूर्ति बाधित न हो। इसके अलावा एंनीकट में जल स्तर कम होने पर एनीकट के गेट बंद कराए।

पीएम विद्यालयों में अंशकालिक कोच के लिए आवेदन 12 अगस्त तक आमंत्रित

दुर्ग। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत पीएम योजना के तहत दुर्ग जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में अंशकालिक योग एवं खेल शिक्षक/कोच की सेवाएं ली जाएंगी। इसके लिए योग्य प्रशिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नियुक्ति 11 विद्यालयों शासकीय पीएम प्राथमिक शाला जरवाय, रुआबांधा, पथरिया, बानबरद, गभरा, तथा स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल जामुल, कुम्हारी, अहिवारा, बोरी, नगपुरा और बालाजी नगर खुर्सीपार में की जाएगी। योग्य प्रशिक्षकों को 10 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय प्रदाय किया जाएगा। इच्छुक आवेदक को स्नातक शारीरिक शिक्षा डिग्री एवं योग शिक्षा संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री एवं संबधित क्षेत्र में कार्य का अनुभव होना चाहिए। इच्छुक उम्मीदवार 12 अगस्त 2025 तक अपना आवेदन जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, दुर्ग में स्वयं या पंजीकृत डाक से कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com